मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 61
मंगलवार, 09 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बिहार एसआईआर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, आधार को 12वां दस्तावेज माना जाएगा

नई दिल्ली, 08 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वह चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में माने। हालाँकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि आधार कार्ड नागरिकता के प्रमाण के रूप में काम नहीं करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने मामले को अगले सोमवार के लिए सूचीबद्ध करते हुए कहा कि चुनाव आयोग जमा किए गए आधार कार्डों की प्रामाणिकता की जाँच कर सकता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे जाली नहीं हैं। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने कहा कि आधार कार्ड स्वीकार किया जाएगा... संशोधित सूची में शामिल करने या बाहर करने की स्वीकृति के उद्देश्य से... आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज माना जाएगा। हालांकि, यह स्पष्ट किया जाता है कि अधिकारी आधार कार्ड की प्रामाणिकता और वास्तविकता को सत्यापित करने के हकदार होंगे और आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा... चुनाव आयोग दिन के दौरान निर्देश जारी करेगा। सुनवाई के दौरान, शीर्ष अदालत ने मतदाताओं से आधार कार्ड स्वीकार न करने पर अधिकारियों को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस पर भी चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण माँगा। चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि चुनाव आयोग ने किसी को भी आधार दाखिल करने से नहीं रोका है।

उन्होंने अदालत से कहा कि हम पता लगाएँगे कि कहीं कोई गलती तो नहीं कर रहा है। इससे पहले, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया था कि मसौदा मतदाता सूची में दावे, आपत्तियाँ और सुधार 1 सितंबर के बाद भी दायर किए जा सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही इन पर विचार किया जाएगा। आयोग ने कहा था कि मसौदा मतदाता सूची में दावे और आपत्तियाँ प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि तक दायर की जा सकती हैं।

निर्वाचन आयोग वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस बन गया है : खरगे

नई दिल्ली, 08 सितम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह (आयोग) वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस बन गया है।

खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कालक्रम को समझें। मई 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले, कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। प्रपत्र संख्या-सात में फजीर्वाड़ा कर हजारों मतदाताओं के मताधिकार छीन लिये गये।

उन्होंने कहा, फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदनों का खुलासा हुआ। यह मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का एक स्पष्ट प्रमाण है। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जांच का आदेश दिया।

खरगे ने कहा, लेकिन यहां पेंच यह है कि जहां निर्वाचन आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का कुछ हिस्सा साझा किया था तो वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी को छुपा लिया है और (आयोग) वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है!

उन्होंने पूछा, निर्वाचन आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूतों को क्यों रोक दिया है? यह किसे बचा रहा है? भाजपा के वोट चोरी विभाग को? क्या निर्वाचन आयोग भाजपा के दबाव में सीआईडी जांच को पटरी से उतार रहा है। लोकतांत्रिक अधिकारों के महत्व को दोहराते हुए, खरगे ने कहा, हर व्यक्ति के मतदान के अधिकार की रक्षा होनी चाहिए। भारतीय लोकतंत्र की रक्षा होनी चाहिए।

सपा शासनकाल में हुई कई सरकारी भर्तियों को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा : आदित्यनाथ

लखनऊ, 08 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) की पिछली सरकार के शासनकाल के दौरान हुई सरकारी भर्तियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि गड़बड़ियों की वजह से उनकी सरकार ने बहुत सारी भर्तियों की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1112 कनिष्ठ सहायक और 22 एक्सरे तकनीशियन के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्य की पूर्ववर्ती सपा सरकार पर भर्तियों में धांधली किये जाने का आरोप लगाया और

कहा, किस प्रकार की भर्तियां होती थीं। हमें बहुत सारी भर्तियों की जांच उस समय सीबीआई को देनी पड़ी थी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में वर्ष 2016 से एक व्यक्ति के नियुक्ति पत्र पर कई जिलों में छह अलग-अलग लोगों द्वारा नौकरी किये जाने के एक प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा, आपने देखा होगा कि एक व्यक्ति आठ-आठ जगह पर नाम लिखाकर पैसा लिये जा रहा था। वो तो जब जांच में सामने आया तब पता लगा। आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिये बगैर कहा, ये कौन लोग हैं...ये वो ही लोग हैं जिनसे एक परिवार के लोग पैसा लेकर ये भर्ती करते थे और उत्तर प्रदेश की जनता को इस प्रकार से लूटते थे। वह भर्ती 2016 की है। अभी वह जांच चल रही है। वह जांच समय पर हो जाएगी तो ऐसे महाभारत के रिश्ते सामने आयेंगे। अब वे बाकी का जीवन जेल में ही बिताने पर मजबूर होंगे। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिये क्योंकि उनके कारनामे ही ऐसे थे जिन्होंने उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने के बजाय उससे लगातार दूर ही रखा।

मॉरीशस और भारत के पीएम की अभेद्य होगी सुरक्षा व्यवस्था

- सुरक्षा तैयारियों का पुलिस आयुक्त ने लिया जायजा
- मॉरीशस और भारत के पीएम की अभेद्य होगी सुरक्षा व्यवस्था

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी, जो सदियों से भारत की संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र रही है, अब एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय नेताओं के दौरे की वजह से सुर्खियों में है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम का तीन दिवसीय दौरा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शॉर्ट दौरा इस नगरीय एवं ऐतिहासिक शहर के राजनीतिक और कूटनीतिक महत्व को उजागर करता है। प्रशासन ने इस दौरे को लेकर सुरक्षा, यातायात और स्वागत व्यवस्थाओं में विशेष तैयारी की है। पुलिस लाइन से ताज होटल तक बनाए गए छह स्वागत पॉइंट इस बात का प्रतीक हैं कि काशी में आने वाले मेहमानों का सम्मान केवल औपचारिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक भावनाओं से जुड़ा हुआ है। फूलों की पंखुड़ियों और स्थानीय स्वागत परंपराओं के माध्यम से न केवल नेताओं का स्वागत होगा, बल्कि यह काशी की सांस्कृतिक संपन्नता और आतिथ्य भावना का जीवंत चित्र प्रस्तुत करेगा।

राजनीतिक और कूटनीतिक दृष्टि से ये दौरे महत्वपूर्ण हैं। मॉरीशस पीएम के साथ द्विपक्षीय वार्ता, क्षेत्रीय सहयोग और आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने

का अवसर है। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी का शॉर्ट लेकिन प्रभावशाली दौरा भारत की अंतरराष्ट्रीय और आंतरिक कूटनीति को संतुलित रूप से संचालित करने का संदेश देता है। काशी का यह दौरा यह भी याद दिलाता है कि यह शहर केवल आध्यात्मिक नगरी नहीं, बल्कि कूटनीति और प्रशासनिक कार्यों का भी केंद्र बन सकता है। ऐसे दौरे स्थानीय प्रशासन की दक्षता और शहर की सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन क्षमता का परीक्षण भी हैं। यह दौरा काशी के लिए गर्व का क्षण है।

शहर की सांस्कृतिक धरोहर, अतिथि सत्कार और आधुनिक प्रशासनिक कौशल का यह संगम आने वाले वर्षों में काशी को और भी वैश्विक पहचान दिला सकता है। मतलब साफ है काशी की धरती पर जब देश और विदेश के नेता एक साथ बैठेंगे तो यह केवल कूटनीतिक संवाद नहीं होगा, बल्कि गंगा-घाटों से उठती उस सांस्कृतिक ध्वनि का प्रसार होगा जो विश्व को भारत से जोड़ती है। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह इस अवसर को ऐतिहासिक बनाए और आने वाले अतिथियों को यह अनुभव कराए कि काशी वास्तव में ह्लविश्वनाथ की नगरीह्व हैकृजहां परंपरा और आधुनिकता का संगम दुनिया को नया संदेश देता है।

विशेष तैयारियांः पुलिस लाइन से ताज होटल तक छह स्वागत पॉइंट बनाए गए हैं।

फूलों की पंखुड़ियों और स्थानीय परंपराओं के माध्यम से स्वागत। प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात और अतिथि सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए।

जम्मू-कश्मीर में आप को झटका, विवादों में रहे विधायक मेहराज मलिक पीएसए में गिरफ्तार

कश्मीर, 08 सितम्बर। जम्मू-कश्मीर के आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख और विधायक मेहराज मलिक को सोमवार को डोडा जिले में सार्वजनिक व्यवस्था को कथित रूप से बिगाड़ने के आरोप में कड़े जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह पहली बार है जब किसी मौजूदा विधायक को पीएसए के तहत हिरासत में लिया गया है। पीएसए एक प्रशासनिक कानून है जो कुछ मामलों में बिना आरोप या सुनवाई के दो साल तक हिरासत में रखने की अनुमति देता है।

अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दिन में 37 वर्षीय आप विधायक को पुलिस ने डाक बंगले में उस समय हिरासत में लिया जब वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने की योजना बना रहे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा उनके खिलाफ एक डोजियर तैयार करने के बाद, बाद में डोडा के उपायुक्त हरविंदर सिंह के आदेश पर उन्हें पीएसए के तहत भद्रवाह जिला जेल में स्थानांतरित कर दिया गया।

वहीं, आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि क्या अपने क्षेत्र की जनता के लिए अस्पताल माँगना इतना बड़ा गुनाह है कि उसके लिए एक चुने हुए टछअ को जेल में डाल दिया

जाए? मेहराज मलिक आम आदमी पार्टी के शेर हैं। वो हमेशा जनता की आवाज बनकर हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे। जेल, धमकियाँ और साज़िशें ये सब अअढ के किसी भी सिपाही को कभी नहीं डरा सकतीं। अपने बयानों से अक्सर विवादों में रहने वाले मलिक के खिलाफ यह कार्रवाई सरकारी कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच हुई है, जो डिप्टी कमिश्नर के समर्थन में सामने आए थे, जब मलिक ने उनके खिलाफ एक अपमानजनक अभियान शुरू करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया था। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने विधायक पर डॉक्टरों सहित वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को ₹आदतन₹ गालियाँ देने और युवाओं को सरकारी तंत्र के खिलाफ भड़काने का आरोप लगाया।

रांची में हत्या के आरोप में छह लोग गिरफ्तार

रांची। रांची के बाहरी इलाके में 45 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। हत्या की वारदात रविवार शाम रातू थाना क्षेत्र के झारखराटांड स्थित एक घर में हुई।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान कुणाल गोप, बब्लू गोप, जगमोहन कुमार, इमरोज अंसारी, श्रीचंद प्रजापति और विजय महतो के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रवीण पुष्कर ने कहा, कुणाल मुख्य साजिशकर्ता था। प्रजापति और महतो ने बलमा को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं, लेकिन गलती से रवि को गोली लग गई। उसे चार गोलियां लगीं।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

-ललित गर्ग

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या ह्यकुदरत की नाराजगीह्व को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जलमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-ह्यप्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।ह्व यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से माँ की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं।

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएं पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं।

देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह रहे हैं, खेत-खलिहान जलमग्न है। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा। पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल ह्यप्राकृतिकह्व न मानकर उन्हें ह्यमानव निर्मितह्व एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएंह्व भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली भारी जन-धन हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस वर्ष की बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं केवल त्रासदी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश हैं-कि प्रकृति के साथ असंतुलन की कीमत हमें अपने अस्तित्व से चुकानी पड़ सकती है। इसलिए विकास की नीतियों को पर्यावरण की दृष्टि से पुनर्परिभाषित करना ही इस संकट से उबरने का वास्तविक मार्ग है।

आखिरी कतार में बैठ कर प्रधानमंत्री मोदी ने दिया कार्यकर्ताओं को सन्देश

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सादगी की हाल ही में एक और मिसाल देखने को मिली। प्रधानमंत्री मोदी आज भाजपा की कार्यशाला में एक साधारण सांसद की तरह शामिल हुए और कार्यक्रम की कार्यवाही में शुरूआत से ही हिस्सा लिया। यह कार्यशाला उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी के लिए भाजपा सांसदों के लिए आयोजित की गई थी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी आगे की सीट पर न बैठकर सबसे पिछली पंक्ति में बैठे और एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह बैठक में भाग लिया।इस दौरान सांसदों ने एक प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री मोदी को ऐतिहासिक #GenNextGST रिफॉर्म्स के लिए बधाई दी। यह घटना भाजपा के भीतर एकता और विनम्रता का प्रतीक बन गई है, जहां प्रधानमंत्री ने अपनी सादगी से सभी को प्रभावित किया। भाजपा ने उपराष्ट्रपति चुनाव की रणनीति और तैयारी के लिए दिल्ली में सांसदों की एक विशेष कार्यशाला आयोजित की थी। इस कार्यक्रम की कार्यवाही रविवार सुबह से शुरू हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसमें शुरूआत से ही हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी जब वहां पहुंचे, तो उन्होंने आगे की सीट पर बैठने की बजाय पीछे की पंक्ति चुन ली। वह एक सामान्य कार्यकर्ता या सांसद की तरह बैठक में शामिल हुए और सभी चचाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कदम प्रधानमंत्री की विनम्रता और पार्टी कार्यकताओं से जुड़ाव को दशार्ता है।

यह कार्यशाला मुख्य रूप से उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए भाजपा सांसदों को तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह चुनाव मंगलवार 9 सितंबर को होने वाला है, और एनडीए ने 425 सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई है। कार्यशाला में सांसदों को मतदान प्रक्रिया की बारीकियां समझाई गईं, ताकि कोई गलती न हो। प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और महत्वपूर्ण बना दिया, और सांसदों में उत्साह बढ़ाया।

इस कार्यशाला के दौरान सांसदों ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक जीएसटी रिफॉर्म्स के लिए बधाई दी गई। यह रिफॉर्म्स जीएसटी प्रणाली में नई पीढ़ी के सुधारों का हिस्सा हैं, जो अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लाए गए हैं। सांसदों ने प्रधानमंत्री की नेतृत्व क्षमता की सराहना की और कहा कि इन सुधारों से देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान को विनम्रता से स्वीकार किया और पार्टी कार्यकताओं को एकजुट रहने का संदेश दिया।

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी का पीछे की सीट पर बैठना एक संदेश था कि भाजपा में सभी बराबर हैं। वह आगे की सीट पर न बैठकर सामान्य सांसद की तरह कार्यक्रम में शामिल हुए, जो उनके जमीन से जुड़े व्यक्तित्व को दशार्ता है। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जहां लोग प्रधानमंत्री की विनम्रता की तारीफ कर रहे हैं। भाजपा कार्यकताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री का यह कदम पार्टी की जड़ों को मजबूत करता है और युवा कार्यकताओं को प्रेरित करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पीछे बैठने की तस्वीर सोशल मीडिया पर सुबह से वायरल हो रही थी , जिसमें वे सुबह 10:45 बजे पार्टी की सांसद कार्यशाला में पहुंचे औरह्व पीछे जाकर चुपचाप बैठ गए। न कोई उद्घाटन भाषण, न तामझाम। बस सांसदों के बीच, गंभीरता से सुनते हुए देखे गए। प्रधानमंत्री मोदी को 10 या 15 मिनट के लिए इस कार्यशाला में नहीं पहुंचे, उन्होंने पूरा दिन बिताया। एक आम सांसद की तरह भागीदारी थी। यह तस्वीर देखते ही देखते वायरल हो गई। तब से बहुत सारे लोग सोशल मीडिया में भाजपा की सांसद कार्यशाला के बारे में जिज्ञासा है। लोग सोशल मीडिया में सर्च कर रहे हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं, इस कार्यशाला के बारे में और ये भी बताएंगे कि यह भाजपा के लिए इतनी अहम क्यों है?

भाजपा सांसद कार्यशाला को आप पार्टी का पॉलिटिकल स्कूल कह सकते हैं। यहां सांसदों को बताया जाता है कि जनता तक कैसे पहुंचना है। कैसे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना है और विपक्ष के वार का जवाब कैसे देना है। यानी किताबों वाली क्लास नहीं, बल्कि चुनावी मैदान के लिए ट्रेनिंग क्लास। इसका उद्देश्य सांसदों को सरकार की नीतियों, योजनाओं और राजनीतिक रणनीतियों के साथ जोड़ना होता है। यह सांसदों के लिए सीखने, समझने और साझा करने का मंच है। यहां सांसदों को बताया जाता है कि जनता तक योजनाओं को कैसे पहुंचाना है और विपक्ष के नैरेटिव का जवाब कैसे देना है।

इस कार्यशाला में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद ।केंद्रीय मंत्री, पार्टी अध्यक्ष और संगठन के सभी बड़े पदाधिकारी। कभी-कभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी भाजपा बुलाती है व वे भी शामिल होते हैं। जैसा कि आपको बता चुके है इस बार तो प्रधानमंत्री खुद पीछे बैठकर पूरी क्लास अटेंड करते रहे।

अब आप जानना चाहते होंगे कि इस कार्यशाला में किस तरह के प्रस्ताव पास होते हैं? तो हम आपको बतादे कि यह कार्यशाला सिर्फ भाषणों तक सीमित नहीं रहती। यहां ठोस राजनीतिक और सामाजिक प्रस्ताव पास किए जाते हैं। आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी भारत और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है ।सांसदों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इन प्रस्तावों को जनता तक पहुंचाएं ।इसमें ऐसे सुझाव भी शामिल होते हैं जिन्हें बाद में सरकार की नीतियों में जगह मिल सकती है। आपको बतादे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा से सांसद कार्यशालाओं में हिस्सा लेते रहे हैं। लेकिन पहले वे ज्यादातर उद्घाटन या समापन भाषण देकर निकल जाते थे। इस बार का बदलाव यही है कि उन्होंने पूरे दिन हर सत्र में बैठकर सांसदों की बातें सुनीं। यह पार्टी कार्यकताओं और सांसदों को यह संदेश देने का तरीका है कि हर आवाज मायने रखती है और जमीनी अनुभव को महत्व दिया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को यह दिखाया कि वह सिर्फ नेतृत्व नहीं करते, बल्कि सुनते भी हैं। यह संदेश गया कि प्रधानमंत्री सांसदों की राय सुनने आए हैं, सिर्फ भाषण देने नहीं। यह पार्टी के भीतर लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत करता है। इससे पार्टी में लोकतांत्रिक माहौल और मजबूत होता है। यह सांसदों का मनोबल बढ़ाने वाला कदम है कि उनकी बात सीधे प्रधानमंत्री तक पहुंच रही है। संदेश गया कि सांसदों की जमीनी राय को गंभीरता से लिया जा रहा है और उसे भविष्य की नीतियों में शामिल किया जाएगा। यह कार्यकताओं और सांसदों को यह संदेश देने का तरीका भी था कि पार्टी में हर राय मायने रखती है।

इस कार्यशाला में चार सत्र-कई अहम प्रस्ताव है जसमें । पहला सत्रः राष्ट्र निर्माण पर केंद्रितथा ।इसमें कमलेश पासवान आत्मनिर्भर भारत पर, सुधांशु त्रिवेदी स्वदेशी भारत पर, बांसुरी स्वराज ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर और डॉ। हेमांग जोशी ने युवा शक्ति और रोजगार पर सांसदों की क?लास ली। सांसदों को समझाया गया कि सरकार की नीतियां आत्मनिर्भरता और युवाओं को केंद्र में रखकर बनाई जा रही हैं। दूसरा सत्रः सोशल मीडिया का प्रभावी प्रयोग-ज्योतिमय महतो ने सोशल मीडिया टीम बिल्डिंग पर बात की। सी।पी। जोशी सरकारी योजनाओं का नैरेटिव बनाने पर। अतुल गर्ग ने नमो ऐप के बारे में विस्तार से बताया और उसका इस्तेमाल कैसे करें, इसे समझाया। तो संगीता यादव ने महिला समूह की सोशल मीडिया अप्रोच पर बात की। सांसदों को यह समझाया गया कि जनता तक सीधे पहुंचने का सबसे बड़ा माध्यम आज सोशल मीडिया है। हर सांसद को डिजिटल कम्युनिकेशन स्किल सीखनी होगी।। तीसरा सत्रः स्थायी समितियों के समूहों की- चचार्संजय जायसवाल और बांसुरी स्वराज ने कृषि, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य पर बात की। तेजस्वंत पांडा और संबित पात्रा ने रक्षा, विदेश, आईटी पर। ऊर्जा, कोल, इंडस्ट्री पर शशांक त्रिपाठी और अपराजिता सारंगी ने बात रखी। शिक्षा, संस्कृति, कानून पर संचालन पी.पी. चौधरी और सुनील कुमार ने की। रेलवे, ट्रांसपोर्ट का संचालन भानुभरि महताब जबकि रिपोर्टिंग रमेश अवस्थी ने की। हर सांसद को अपने क्षेत्रीय मुद्दे और कमेटी से जुड़े अनुभव साझा करने का मौका दिया गया। चौथा सत्रः क्षेत्रीय समूहों की चर्चागरीय क्षेत्र खास तौर पर मत्स्य पालन योजनाओं पर चर्चा। लेफ्ट विंग क्षेत्र पर भी बात। इसमें गरीब कल्याण योजना की चर्चा। ग्रामीण क्षेत्र की चर्चा में किसान सम्मान निधि पर बात होनी है। शहरी क्षेत्र की बात स्वच्छता अभियान पर फोकस रही तो पहाड़ी और उत्तर-पूर्व क्षेत्र का जिक्र आया तो सीमावर्ती क्षेत्र का विकास मुद्दा रहा।

बता दें कि इस दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य विधायी कौशल, शासन रणनीतियों और राजनीतिक संचार पर ध्यान देना है। नेताओं ने केंद्र सरकार के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने और विपक्ष का मुकाबला करने के तरीकों पर चर्चा की। रविवार को सांसद पूरे दिन की कार्यशाला में शामिल हुए। सोमवार को भी तीन घंटे का एक और सत्र निर्धारित है।

बता दें कि उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को होगा। प्रधानमंत्री मोदी उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले, सोमवार को भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और विपक्ष के उम्मीदवार, सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है। हालांकि, संख्या बल के आधार पर राधाकृष्णन की जीत लगभग तय मानी जा रही है।

उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 : जीत एनडीए की तय, पर असली जंग विपक्ष की एकजुटता तोड़ने की

-अजय कुमार

भारतीय राजनीति में उपराष्ट्रपति चुनाव हमेशा औपचारिकता भर लगते हैं, क्योंकि सत्तारूढ़ पक्ष आम तौर पर आंकड़ों के बल पर बाजी मार लेता है। लेकिन इस बार 9 सितंबर 2025 को होने जा रहा चुनाव महज जीत-हार तक सीमित नहीं है। असली लड़ाई जीत के अंतर को बढ़ाने और विपक्ष की एकजुटता को कमजोर करने की है। यही कारण है कि सत्ता और विपक्ष, दोनों खेमों ने अपनी-अपनी रणनीतियों को आक्रामक बनाया है। एनडीए की ओर से सीपी राधाकृष्णन उम्मीदवार हैं और उनकी जीत लगभग तय मानी जा रही है। विपक्षी इंडिया गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी. सुदर्शन रेड्डी को मैदान में उतारा है और चुनाव को वैचारिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। लेकिन पूरे माहौल में सबसे ज्यादा चर्चा समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच हुई फोन कॉल को लेकर है, जिसने क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं पर नई बहस छेड़ दी है। 6 सितंबर को राजीव राय का जन्मदिन था। इस मौके पर अमित शाह ने उन्हें फोन कर बधाई दी। यह कॉल सतह पर तो शिष्टाचार लग रही थी, लेकिन इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही राजनीतिक हलकों में सवाल उठने लगे। वीडियो में राजीव राय हल्के-फुल्के अंदाज में अपनी उम्र को लेकर मजाक करते नजर आए, जिसे यूपी-बिहार की राजनीति में नेताओं की उम्र पर चलने वाली चुटकियों से जोड़कर देखा गया। पर असली महत्व इस कॉल की टाइमिंग और संदर्भ का था। उपराष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले हुई इस बातचीत ने विपक्षी खेमे की बेचैनी बढ़ा दी। राय ने सफाई दी कि यह रिकॉर्डिंग उनके किसी कार्यकर्ता ने की और अनजाने में व्हाट्सएप ग्रुप पर डाल दी। बावजूद इसके, यह सवाल बना रहा कि क्या अमित शाह का यह कदम केवल शिष्टाचार था या फिर किसी गहरी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा।

राजीव राय का राजनीतिक सफर भी इस बहस को और दिलचस्प बनाता है। 2024 लोकसभा चुनाव में उन्होंने घोसी सीट से एनडीए प्रत्याशी अरविंद राजभर को हराया और सपा के लिए महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। उन्हें अखिलेश यादव का करीबी और रणनीतिकार माना जाता है। दिलचस्प यह भी है कि उनकी जीत में बीजेपी के परंपरागत वोटरों का योगदान माना गया था। ऐसे में सत्ता पक्ष से तालमेल बनाए रखना उनके लिए व्यावहारिक राजनीति हो सकती है। यही कारण है कि यूपी-बिहार के राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि सपा के कुछ सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के पक्ष में वोट डाल सकते हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि सपा के 3 से 5 सांसद क्रॉस वोटिंग कर सकते हैं, खासकर वे जिनके क्षेत्र में बीजेपी का प्रभाव मजबूत है उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 781 सांसदों को वोट डालना है, लेकिन 6 सीटें खाली हैं, इसलिए निर्वाचक मंडल में 775 वोट होंगे। जीत के लिए 388 वोट की जरूरत है। एनडीए के पास पहले से ही 439 वोटों का मजबूत आधार है। इसमें बीजेपी के 240 लोकसभा और 95 राज्यसभा सांसदों के अलावा जेडीयू के 12, टीडीपी के 16, शिवसेना के 7 और अन्य सहयोगियों के वोट शामिल हैं। यानी राधाकृष्णन की जीत तय है। इसके विपरीत इंडिया गठबंधन के पास 324 वोट का अनुमान है। इसमें कांग्रेस के 99 लोकसभा और 26 राज्यसभा सांसद, सपा के 37, टीएमसी के 29, डीएमके के 22 और आम आदमी पार्टी के 10 सांसद शामिल हैं। हालांकि 18 सांसद ऐसे हैं, जिनका रुख अब तक साफ नहीं है। इनमें बीजेडी के 7, बीआरएस के 4, अकाली दल का 1, जेडपीएम का 1, वीओटीटीपी का 1 और 3 निर्दलीय सांसद शामिल हैं।

चुनाव गुप्त मतदान और एकल हस्तांतरणीय वोट प्रणाली से होता है। इसमें सांसदों को प्राथमिकता अंकित करनी होती है और गलत वोटिंग से मतपत्र रद्द हो सकता है। यही कारण है कि क्रॉस वोटिंग की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। इस बार भी यही स्थिति है। बीजेपी ने अपने सांसदों के लिए प्रशिक्षण सत्र कराए हैं ताकि कोई वोट अमान्य न हो और 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित किया जा सके। एनडीए की रणनीति साफ है सिर्फ जीतना नहीं बल्कि भारी अंतर से जीतकर विपक्ष को यह संदेश देना कि उसकी एकजुटता महज कागजी है ।एनडीए के वरिष्ठ नेता विपक्षी सांसदों और निर्दलीयों से सीधे संपर्क साध रहे हैं। अमित शाह और राजनाथ सिंह व्यक्तिगत तौर पर कई सांसदों से बातचीत कर चुके हैं। वाईएसआरसीपी, जिसके पास 11 सांसद हैं, पहले ही संकेत दे चुकी है कि वह विपक्ष का साथ नहीं देगी। 2022 के उपराष्ट्रपति चुनाव में भी वाईएसआरसीपी ने एनडीए के पक्ष में मतदान किया था। बीजेडी भी अतीत में एनडीए को समर्थन देती रही है और इस बार भी संभावना इसी की है। बीआरएस के 4 सांसद और कुछ निर्दलीय भी एनडीए के खेमे में जा सकते हैं। इन हालात में विपक्ष की मुश्किलें और बढ़ती दिख रही हैं।

दूसरी ओर इंडिया गठबंधन इस चुनाव को वैचारिक लड़ाई के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। उनका कहना है कि यह संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का सवाल है। उन्होंने बी. सुदर्शन रेड्डी को इस रूप में पेश किया है कि वे संविधान की आत्मा की रक्षा करेंगे। कांग्रेस ने अपने सांसदों को एकजुट रखने के लिए रणनीतिक बैठकें और मॉक पोल कराए हैं। हर 15 सांसदों पर एक समन्वयक नियुक्त किया गया है। लेकिन गठबंधन की एकजुटता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का डिनर कार्यक्रम बाढ़ की वजह से रद्द हो गया, जिससे असंतोष की खबरें आईं। राहुल गांधी विदेश दौरे पर हैं, जिससे विपक्षी खेमे का मनोबल प्रभावित हुआ है ।कांग्रेस के कुछ सांसदों पर भी क्रॉस वोटिंग की आशंका जताई जा रही है, खासकर मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में जहां बीजेपी का दबदबा है। हालांकि 2022 में कांग्रेस के सांसदों ने ऐसा नहीं किया था और विपक्षी उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को एकजुट होकर वोट दिया था। लेकिन इस बार माहौल अलग है। समाजवादी पार्टी पर नजरें सबसे ज्यादा हैं, क्योंकि उसके कुछ सांसदों के क्रॉस वोटिंग करने की चर्चा जोरों पर है। राजीव राय जैसे नेता, जिनका व्यवसाय भी फैला हुआ है, सत्ता पक्ष से संबंध बनाए रखना चाहेंगे।

क्रॉस वोटिंग भारतीय संसदीय राजनीति में नई बात नहीं है। 2017 में वेंकैया नायडू को 516 वोट मिले थे, जबकि एनडीए की आधिकारिक संख्या इससे कम थी। 2022 में जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे, जो एनडीए की ताकत से कहीं ज्यादा था। इसमें बीजेडी, वाईएसआरसीपी और बीआरएस की भूमिका रही। लोकसभा स्पीकर चुनाव 2019 में भी ओम बिरला को ऐसे ही अतिरिक्त वोट मिले थे। ये सभी उदाहरण बताते हैं कि गुप्त मतदान में व्यक्तिगत समीकरण और सत्ता पक्ष की लॉबिंग अहम होती है ।अमित शाह का राजीव राय को फोन कॉल इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। सत्ता पक्ष ने यह साफ कर दिया है कि वह विपक्षी सांसदों से भी व्यक्तिगत संपर्क साधने से पीछे नहीं हटेगा। भले ही जीत पहले से तय हो, लेकिन इस जीत का अंतर विपक्ष की साख को कमजोर करेगा। अगर सपा या अन्य विपक्षी दलों से क्रॉस वोटिंग होती है, तो इंडिया गठबंधन की संगठनात्मक कमजोरी उजागर होगी। बीजेपी इसे अपनी रणनीतिक क्षमता और विपक्ष को तोड़ने की ताकत के रूप में प्रचारित करेगी।

यह उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 का असली संदेश भी है। आंकड़ों की बाजीगरी से परे यह चुनाव सत्ता और विपक्ष की ताकत, संगठन और रणनीति की परीक्षा है। एनडीए भारी बहुमत से जीतकर यह दिखाना चाहता है कि विपक्ष की एकजुटता खोखली है। वहीं, विपक्ष इस चुनाव को वैचारिक रंग देकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराना चाहता है। लेकिन अब तक के हालात बताते हैं कि विपक्ष न सिर्फ हार की तरफ बढ़ रहा है, बल्कि उसकी एकजुटता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।अमित शाह और राजीव राय की बातचीत छोटी सी घटना लग सकती है, पर इसके पीछे छिपा संदेश गहरा है। सत्ता पक्ष यह जता रहा है कि वह विपक्ष की दीवार में सेंध लगाने से पीछे नहीं हटेगा। इंडिया गठबंधन के लिए यह चुनाव सिर्फ हार नहीं, बल्कि चेतावनी भी साबित हो सकता है कि अगर उसने अपनी रणनीति और नेतृत्व को मजबूत नहीं किया तो भविष्य में भी इसी तरह की चुनौतियों से जूझना पड़ेगा।

सोशल मीडिया को शांत करने से नेपाल हुआ अशांत, Gen Z पर चलवा कर गोली बड़ी गलती कर बैठे ओली

इस घटनाक्रम का भारत और दक्षिण एशिया के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश है। नेपाल भारत का निकटतम पड़ोसी और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण देश है। वहां की अस्थिरता न केवल सीमा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है, बल्कि चीन जैसे बाहरी प्रभावों को बढ़ावा देने का अवसर भी दे सकती है।

नेपाल में सरकार द्वारा प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगाए गए प्रतिबंध ने देश के राजनीतिक, सामाजिक और कूटनीतिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया है। यह केवल डिजिटल नीति का सवाल नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और युवा चेतना के लिए एक गंभीर चुनौती है। फेसबुक, यूट्यूब, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे प्लेटफॉर्म्स, जिन्हें युवा पीढ़ी अपने विचार व्यक्त करने, दोस्तों से जुड़ने और वैश्विक घटनाओं से अपडेट रहने के लिए इस्तेमाल करती है, उन पर बैन लगाने से युवाओं में गहरी नाराजगी और असंतोष पैदा हुआ है।

युवा पीढ़ी पहले ही देश की कमजोर स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणाली, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से तंग आ चुकी है। ऐसे समय में सोशल मीडिया पर पाबंदी ने उनकी निराशा को और बढ़ा दिया है। हाल ही में ह्यनेपो किड्सह्व यानि राजनीतिक परिवारों के बच्चों के विरुद्ध उभरे गुस्से और काठमांडू में जेनरेशन जेड के युवाओं का प्रदर्शन यह दशार्ता है कि वह अब अन्याय को चुपचाप सहन नहीं करेंगे। यह चेतावनी है कि यदि सरकार युवा वर्ग की भावनाओं को समझने में विफल रही, तो राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ सकती है।

देखा जाये तो इस घटनाक्रम का भारत और दक्षिण एशिया के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश है। नेपाल भारत का निकटतम पड़ोसी और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण देश है। वहां की अस्थिरता न केवल सीमा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है, बल्कि चीन जैसे बाहरी प्रभावों को बढ़ावा देने का अवसर भी दे सकती है। हाल ही में ओली सरकार का चीन के प्रति झुकाव, पश्चिम और जापान से दूरी और सीमा विवादों में आक्रामक रुख ने यह संकेत दिया है कि नेपाल अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता के बावजूद विदेशी प्रभावों के जाल में फंसता जा रहा है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया को कानूनी और सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप नियंत्रित करना आवश्यक था, लेकिन इसे कैबिनेट निर्णय के माध्यम से लागू करना और विवादास्पद प्रावधान लागू करना– जैसे ह्यसमस्याग्रस्त सामग्रीह्व को 24 घंटे में हटाना, जैसी नीति को थोपना गलत था। पहले ही दक्षिण एशिया में लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। श्रीलंका, पाकिस्तान और अब नेपाल के हालात यह संदेश देते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं रह सकता; इसे जीवित बनाए रखने के लिए नागरिकों की स्वतंत्रता, उनके अधिकार, शासन में पारदर्शिता और संवेदनशील कूटनीति की रक्षा आवश्यक है। नेपाल की सरकार को अब यह समझना होगा कि विदेशी ऐप्स को कानूनी दायरे में लाना उचित है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण है कि वह अपने युवाओं और नागरिकों की भावनाओं का सम्मान करें। युवा पीढ़ी देश के भविष्य के निमार्ता हैं; उनकी आवाज को दबाना, उन्हें अपमानित करना और डिजिटल माध्यमों पर नियंत्रण लगाना केवल अस्थायी समाधान होगा, जबकि अस्थिरता और सामाजिक तनाव स्थायी रूप से बढ़ सकते हैं। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता, सोशल मीडिया पर पाबंदी और युवा विरोध प्रदर्शन न केवल वहां की आंतरिक राजनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि यह भारत के लिए भी चिंता का विषय बन गए हैं। नेपाल भारत का सबसे नजदीकी पड़ोसी और रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। दोनों देशों के बीच खुले सीमावर्ती संबंध, सामाजिक-सांस्कृतिक मेलजोल और आर्थिक संबंध गहरे हैं। ऐसे में नेपाल में बढ़ती अस्थिरता का सीधे प्रभाव भारत की सीमा सुरक्षा, सीमावर्ती इलाकों की स्थिरता और वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों पर पड़ सकता है। नेपाल में युवाओं का आक्रोश और विरोध प्रदर्शन यह संकेत देते हैं कि सरकार और जनता के बीच विश्वास का संकट गहरा रहा है। अगर यह स्थिति और बिगड़ी तो चीन अपना प्रभाव वहां और बढ़ाने का प्रयास कर सकता है। चीन पहले से ही नेपाल में अपनी पकड़ बनाये हुए है। ऐसे में नेपाल के लोकतांत्रिक संस्थानों में अविश्वास और अशांति बढ़ी तो यह भारत के लिए रणनीतिक चुनौती बन सकती है।

इसके अलावा, नेपाल में सामाजिक असंतोष और राजनीतिक अशांति सीमा पार अपराध, तस्करी और अवैध गतिविधियों को भी बढ़ावा दे सकते हैं। नेपाल में मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगना युवाओं में निराशा और विद्रोह की भावना को और बढ़ाता है, जो लंबे समय में भारत के लिए सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता की दृष्टि से जोखिम बन सकता है।

इसलिए भारत को नेपाल के हालात पर सतर्क नजर रखनी चाहिए। यह सतर्कता केवल सीमा सुरक्षा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसमें कूटनीतिक संवाद, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक संपर्क के माध्यम से नेपाल के लोकतांत्रिक ढांचे और सामाजिक स्थिरता को बनाए रखने का प्रयास शामिल होना चाहिए। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि नेपाल के अंदरूनी संकट भारत-नेपाल संबंधों को प्रभावित न करें और क्षेत्रीय संतुलन बना रहे। देखा जाये तो नेपाल में बिगड़ते हालात भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा, सामरिक संतुलन और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़ा मामला भी है। इसलिए भारत को सक्रिय, सतर्क और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य है।

नेपाल सरकार को इस स्थिति को संभालने के लिए संतुलित और पारदर्शी रुख अपनाना होगा। सबसे पहले, युवा नेताओं और प्रदर्शनकारियों के साथ खुले संवाद की आवश्यकता है। सोशल मीडिया एप्स पर प्रतिबंध का उद्देश्य और कानूनी आधार स्पष्ट करना जरूरी है ताकि जनता को यह विश्वास हो कि यह कदम सिर्फ डिजिटल सुरक्षा और कानूनी संगति के लिए उठाया गया है, न कि युवाओं की आवाज दबाने के लिए। इसके साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को नियंत्रित करने के लिए एक समग्र और न्यायसंगत कानून तैयार किया जाना चाहिए, न कि केवल कैबिनेट निर्णय या तात्कालिक आदेश पर जोर देना चाहिए। विवादास्पद प्रावधानों की समीक्षा और विशेषज्ञ सलाह से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कानून निष्पक्ष और संतुलित हो।

इसके अलावा, युवाओं की भागीदारी और उनके सुझावों को नीति निर्माण प्रक्रिया में शामिल करना भी आवश्यक है। उनके दृष्टिकोण को गंभीरता से लेने से यह संदेश जाएगा कि सरकार उनकी आवाज को महत्व देती है। साथ ही, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसक कार्रवाई से बचना चाहिए और शांतिपूर्ण संवाद के माध्यम से समाधान खोजा जाना चाहिए। डिजिटल शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने के कार्यक्रमों के जरिए युवा समाज को जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग की ओर प्रेरित किया जा सकता है। बहरहाल, देखा जाये तो नेपाल सरकार के सामने यह चुनौती केवल सोशल मीडिया नियंत्रण की नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और युवा चेतना को बनाए रखने की भी है। संतुलित, पारदर्शी और संवादात्मक रुख अपनाकर ही सरकार युवा नाराजगी को शांत कर सकती है और देश में राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता सुनिश्चित कर सकती है।

-नीरज कुमार दुबे

एटीटी हाई स्कूल के पूर्व छात्रों ने मनाया अनोखा शिक्षक दिवस

मालेगांव (उत्तरशक्ति)। जहाँ तकनीक ने अपने उपयोगकताओं को कई सुविधाएँ प्रदान की हैं, वहीं इसने वर्षों पुराने दोस्तों को सोशल मीडिया के माध्यम से फिर से जोड़ने का भी काम किया है। ऐसा ही एक व्हाट्सऐप ग्रुप मालेगांव शहर के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान ए.टी.टी. हाई स्कूल के 1986 बैच के पूर्व छात्रों ने पांच साल पहले बनाया था। इस ग्रुप के माध्यम से सभी पूर्व छात्रों को जोड़ा गया और विभिन्न अवसरों पर मिलन कार्यक्रमों का आयोजन होता रहा। इसी ग्रुप के माध्यम से शिक्षक दिवस के मौके पर अपने शिक्षकों को हर साल सम्मान समारोह का आयोजन बड़े ही शानदार तरीके से किया जाता रहा है। ए.टी.टी. हाई स्कूल के मौलाना अबुल कलाम आजाद हॉल में सेवा-निवृत्त शिक्षकों के सम्मान में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षकों के शिक्षक शकील अंसारी ने की।इस समारोह में विशेष रूप से 1986 बैच के पूर्व छात्रज़िनसार खान (डिप्टी एजुकेशन ऑफिसर, मुंबई),यासीन आजमी (अध्यक्ष, उर्दू भाषा समिति, बाल भारती - पुणे),अय्यूब खान (1986 बैच के छात्र, तालुका होम गार्ड कमांडर), ए.टी.टी. हाई स्कूल के ट्रस्टी जमील क्रांति, अब्दुल मजीद सिद्दीकी, 1986 में एस.एस.सी. कक्षा में पढ़ाने वाले शिक्षक शकील अंसारी, अशफाक सिराज,इकबाल शेख, मुशीर सर, इब्राहीम सर, जावेद सर, अनीस अंसारी सर,अशफाक कादरी ,अशफाक इसहाक ,सलीम सुब्हानी,मीडिया से खलील अब्बास (शामनामा), अब्दुर्रहमान (सेफ मीडिया),ए.टी.टी. हाई स्कूल के वर्तमान हेड मास्टर अब्दुस्सत्तार,असिस्टेंट हेड मास्टर अमीन और कई अन्य लोगों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर अपने शिक्षकों और साथियों से मुलाकात की। इस आयोजन को सफल बनाने में जावेद शौकीन और एटीटी १९८६ यूनीटी ग्रुप का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन जमाल नासीर ने बहुत ही सुंदर और प्रभावशाली तरीके से किया।

टाटा मोटर्स ग्राहकों को जीएसटी कटौती का पूरा लाभ देगी

मुंबई। भारत की प्रमुख ऑटोमोटिव निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने आज घोषणा की कि वह अपनी कारों और एसयूवी पर हाल ही में की गई जीएसटी कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देगी। यह बदलाव 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी होगा, जब संशोधित जीएसटी दरें लागू होंगी। इस घोषणा के बारे में बताते हुए, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा, 22 सितंबर, 2025 से कारों और एसयूवी पर जीएसटी में कटौती एक अच्छा और सही समय पर लिया गया फैसला है, जो भारत में लाखों लोगों के लिए गाड़ियां खरीदना आसान बनाएगा। माननीय प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के उद्देश्य और हमारी ग्राहक पहले की सोच के साथ, टाटा मोटर्स इस कटौती का पूरा फायदा अपने ग्राहकों को देगी। इससे हमारी कारें और एसयूवी सभी के लिए और किफायती होंगी, खासकर पहली बार गाड़ी खरीदने वालों के लिए, और ज्यादा से ज्यादा लोग नए जमाने की गाड़ियों का रुख करने की ओर बढ़ सकेंगे।

इस न्यूट्रिशन वीक में गोदरेज जर्सी के साथ पनीर की शक्ति को जानें

मुंबई/पटना। भारतीय शाकाहारी आहार में पनीर हमेशा से प्रोटीन का एक पावरहाउस रहा है, जो संतुलित पोषण सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाता है। जहां मांसाहारियों के पास प्रोटीन के कई विकल्प होते हैं, वहीं शाकाहारियों के लिए पनीर सबसे संपूर्ण और प्रभावी विकल्प है, यही कारण है कि यह रोजमर्रा के भोजन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है।

फिर भी, कई लोगों को बार-बार वही पनीर की रेसिपी बनाना नीरस लग सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां पारंपरिक व्यंजनों में पनीर शामिल नहीं रहा है। लेकिन, पनीर की यही अनुकूलता इसे हर पकवान में खास बना देती है। दक्षिण भारत की मसालेदार ग्रेवी से लेकर उत्तर भारत की मलाईदार डिश तक, पनीर पूरे भारत में स्वाद का समागम कर सकता है। चाहे तमिलनाडु का पनीर चेट्टीनाड हो, पंजाब का पनीर टिक्का या गुजरात का पनीर से भरा ढोकला, हर थाली में पनीर को नए रूप में पेश कर भोजन को पोषण से भरपूर बनाया जा सकता है।पनीर की भूमिका पर बात करते हुए, श्री शांतनु राज, गोदरेज जर्सी के मार्केटिंग हेड ने कहा, 'पनीर सिर्फ एक पैक किया हुआ खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि संतुलित आहार का एक जरूरी हिस्सा है। यह प्राकृतिक प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत है, एक पैक पनीर में लगभग छह अंडों जितना प्रोटीन होता है। यही वजह है कि भारतीय थाली में स्वाद और पोषण का संतुलन बनाए रखने के लिए पनीर जरूरी है। गोदरेज जर्सी में हम ताजा, मुलायम और असली दूध से बना पनीर उपलब्ध कराने पर गर्व करते हैं, ताकि हर घर तक संपूर्ण स्वास्थ्य पहुंचे। जर्सी पनीर रोजमर्रा के खाने में पोषण को स्वादिष्ट अनुभव में बदल देता है। यह सुपरफूड बहुउपयोगी प्रोटीन स्रोत के रूप में लगातार लोकप्रिय हो रहा है। हालांकि, हमारे शोध बताते हैं कि उपभोक्ताओं में पनीर से बनने वाले विभिन्न भारतीय व्यंजनों की बहुमुखी क्षमता को लेकर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। इसे ध्यान में रखते हुए, हमने पहली बार शेफ तेजा परुचुरी के साथ साझेदारी की है, ताकि उपभोक्ताओं को अपनी रसोई में स्वादिष्ट पनीर रेसिपी बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। हमारी पैकेजिंग पर दिए गए क्यूआर कोड और डिजिटल चैनलों के माध्यम से उपभोक्ता रेसिपी तक पहुंच सकते हैं।' इस दृष्टिकोण से अपनी राय रखते हुए, शेफ तेजा ने कहा, 'पनीर एक बहुमुखी सामग्री है जिसे अनगिनत व्यंजनों में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह हमेशा शानदार स्वाद देता है, चाहे ग्रिल किया जाए, हल्का-सा भूनकर सलाद में डाला जाए, करी में मिलाया जाए या मिठाई में इस्तेमाल किया जाए। अलग-अलग राज्यों के स्वाद और मसालों के साथ पनीर के प्रयोग से यह हमेशा नया और रोमांचक बनता है और पोषण भी सुनिश्चित करता है।' इस न्यूट्रिशन वीक में गोदरेज जर्सी पनीर को सिर्फ एक सामग्री के रूप में नहीं, बल्कि शक्ति, स्वाद और परंपरा के स्रोत के रूप में मना रहा है।

आयुक्त अभिनव गोयल और महेश गायकवाड़ ने किया कल्याण पूर्व का दौरा

सड़कों पर गड्ढों की हालत देख आयुक्त के पसीने छूटे

कल्याण(उत्तरशक्ति)। केडीएमसी आयुक्त अभिनव गोयल ने सोमवार को कल्याण पूर्व के अनेकों भागों का दौरा किया आयुक्त को सड़कों पर केवल गढ्ढे नजर आए। सड़कों की दयनीय हालत देख शहर अभियंता को निर्देश किये सड़कों के गड्ढे तत्काल भरा जाए।

मिली जानकारी के मुताबिक इस दौरे का आयोजन शिवसेना के पूर्व शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ ने किया था। इस दौरे में आयुक्त गोयल के साथ नगर अभियंता अनीता परदेशी, सहायक आयुक्त उमेश यमगर, अभियंता श्री कोरे और अन्य अधिकारी मौजूद थे। दौरे के दौरान गावदेवी, तीसगांव गावठान, पुणे लिंक रोड, तीसगांव नाका, म्हसोबा चौक, चिंचपाड़ा, म्हात्रे चौक आदि प्रमुख स्थानों की सड़कों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरे के दौरान रिक्शा चालक मालिक संघ के पदाधिकारियों ने भी आयुक्त को गड्ढों वाली सड़कों से होने वाली समस्याओं के बारे में बताया और अपनी पीड़ा व्यक्त की। इसके बाद, आयुक्त गोयल ने आश्वासन दिया कि मानसून के बाद कल्याण पूर्व की सभी सड़कों की उचित मरम्मत की जाएगी। महेश गायकवाड़ ने तिसगांव गावदेवी और तिसाई मंदिर के बीच अधूरी सड़क को तुरंत पूरा करने की मांग की। उन्होंने आयुक्त से यह भी माँग की कि कल्याण पूर्व की सड़कों की मरम्मत गुणवत्तापूर्ण तरीके से की जाए जो कम से कम 20 साल तक चलें और जहाँ जरूरत हो, वहाँ मैस्टिक डामर का इस्तेमाल किया जाए। इस निरीक्षण दौरे के दौरान प्रशांत बोटे, शंकर पाटिल, शंकर मुंगेकर, सुमेध हुमने, शाहीन मुल्ला सहित शिवसेना के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

नासिक में एमएसआरटीसी बस और मोटरसाइकिल की टक्कर, तीन लोगों की मौत

नासिक। नासिक जिले में एक दुखद सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है और क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। सोमवार सुबह, ताहराबाद-सटाणा मार्ग पर वनोली गाँव के पास भंवरपाड़ा फाटा के पास एक भीषण टक्कर हुई। सटाणा पुलिस के अनुसार, नंदुरबार से पालघर जिले के वसई जा रही महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (टरफ्ळउ) की एक बस एक दोपहिया वाहन से टकरा गई, जिससे मोटरसाइकिल सवार तीनों लोगों की तत्काल मौत हो गई। मृतकों की पहचान गोविंदा कालू पवार, विकास जयराम माली और रोशन दयाराम माली के रूप में हुई है, जो सभी सुकतमन गाँव के निवासी हैं।

पुलिस रिपोर्टों के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार ने नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। इस दुर्घटना के कारण व्यस्त सड़क पर यातायात अस्थायी रूप से रुक गया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जाँच जारी है। जुलाई की शुरूआत में एक अलग दुखद दुर्घटना में सात लोगों की जान चली गई, जिनमें तीन महिलाएँ, तीन पुरुष और एक दो साल का बच्चा शामिल था। यह दुर्घटना डिंडोरी शहर के पास आधी रात के आसपास हुई जब एक कार और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। पुलिस रिपोर्टों से पता चलता है कि सात यात्रियों को ले जा रही मारुति ऑल्टो कार, नासिक शहर में एक जन्मदिन समारोह से लौट रही थी, जब उसकी टक्कर दो सवारियों वाली यामाहा टळ-15 मोटरसाइकिल से हुई।

नरेंद्र मेहता और दिलीप जैन के नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी भाजपा : सुरेश सिंह

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर भाजपा के जिलाध्यक्ष दिलीप जैन का जन्मदिन कल भायंदर पूर्व के न्यू गोल्डन नेस्ट स्थित इंद्रप्रस्थ बिल्डिंग में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विधायक नरेंद्र मेहता, वरिष्ठ नगरसेवक मदन सिंह समेत सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उत्तर भारतीय मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह ने अपनी पूरी टीम के साथ उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीएमसी चुनाव में लोकप्रिय विधायक नरेंद्र मेहता तथा जिलाध्यक्ष दिलीप जैन के नेतृत्व में भाजपा ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी। इस अवसर पर जिला महामंत्री कमलेश दुबे, भाजपा नेता संतोष दिक्षित, भाजपा नेता एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार राजेश उपाध्याय संदीप तिवारी, आशीष द्विवेदी, रामावतार राय, अनीता राय, नीतीश वर्मा, भाजपा जिला कार्यालय प्रमुख अन्ना अशीनकर समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित गणेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर के यादव नगर स्थित पटवा निवास पर युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 11 दिवसीय श्री गणेश उत्सव का समापन बड़े ही धूमधाम और धार्मिक उत्साह के साथ किया गया। गणपति बप्पा की विदाई के साथ सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम ने एक बार फिर सामाजिक एकता और धार्मिक आस्था की मिसाल पेश की। यह गणेशोत्सव पिछले 22 वर्षों से बोईसरवासियों की आस्था और सांस्कृतिक परंपरा का केंद्र बना हुआ है। 11 दिनों तक चले इस उत्सव में विविध धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से बाल सेना, धर्म सेना और महिला मंडल की सक्रिय भूमिका उल्लेखनीय रही। गणपति बप्पा के विदाई कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी मोहन यादव द्वारा नारियल तोड़कर किया गया। इस आयोजन में संस्था के पदाधिकारी सचिन पाटील, पप्पू यादव, अयोध्या शर्मा, अरुण चव्हाण, गिरधारीलाल सिंह राजपुरोहित, डॉ. राम अचल सिंह, संतोष पटवा, नारायण पटवा, प्रमोद रामसेठ, संतोष राय सहित कई समाजसेवी तन-मन-धन से जुड़े रहे। इन सभी के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ समारोह में उपस्थित सभी आगंतुकों, समाजसेवियों व गणमान्य नागरिकों का स्वागत करते हुए संस्था के अध्यक्ष एवं संस्थापक जयकुमार पटवा ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ‡संस्था छोटी हो या बड़ी, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन होना चाहिए। यही हमारी परंपरा को जीवित रखते हैं और समाज की एकता को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं।‡ गणपति बप्पा की जयकारों के बीच उत्सव का समापन भावुक माहौल में हुआ। श्रद्धालु गणेश भक्तों ने बप्पा से आशीर्वाद लेते हुए अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना के साथ विदाई दी।

पालघर में आयोजित रक्तदान शिविर में दिखी हिंदू-मुस्लिम एकता की दिखी नई मिशाल

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। गणेशोत्सव और ईद जैसे दो बड़े पर्वों के अवसर पर पालघर में पहली बार हिंदूझमुस्लिम एकता और सामाजिक जिम्मेदारी का अद्भुत संगम देखने को मिला। एक रक्त, एक मानवता के संदेश के साथ आयोजित भव्य रक्तदान शिविर में सैकड़ों नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस विशेष उपक्रम का आयोजन इनर व्हील क्लब ऑफ पालघर, पालघर फलाही तंजीम और एकदंत मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें कच्छ युवक संघ ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी रक्तदान कर समाज के सामने प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। हर आयु वर्ग के लोगों की सक्रिय भागीदारी से पूरे आयोजन में उत्साह और भाईचारे का माहौल बना रहा। आयोजक संस्थाओं ने कहा कि इस पहल के माध्यम से न केवल जीवन बचाने का संकल्प पूरा हुआ, बल्कि समाज के सामने हिंदू-मुस्लिम एकता का सशक्त संदेश भी प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा, धार्मिक विविधताओं के बावजूद हम सब एक हैं, यही हमारी असली ताकत है। शिविर में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र और उपहार देकर सम्मानित किया तथा ऐसे सामाजिक उपक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के चेयरमैन रफीक लुलनिया और शमीम लुलनिया ने कहा कि यदि समाजहित के लिए सभी संगठन और नागरिक मिलकर कार्य करें, तो सकारात्मक बदलाव लाना संभव है। इस सफल आयोजन के उपरांत इनर व्हील क्लब ऑफ पालघर की अध्यक्ष एड. विनिता पाटील, पालघर फलाही तंजीम के अध्यक्ष साजिद शेख तथा एकदंत मित्र मंडल के आदित्य संखे ने कच्छ युवक संघ सहित सभी सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने यह आशा भी व्यक्त की कि भविष्य में ऐसे सामूहिक प्रयास समाज के विकास की दिशा में नई राह प्रशस्त करेंगे।

कला संवाद की प्रदर्शनी का उद्घाटन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। कला संवाद द्वारा आयोजित अनफॉरगेटेबल मेमोरीज एवं मुंबई मानसून प्रदर्शनी का उद्घाटन महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार एवं बेलारूस देश के राजदूत अलियाक्सांद्र मात्सुको के करकमलों द्वारा पु. ल. देशपांडे, महाराष्ट्र कला अकादमी, प्रभादेवी मुंबई में संपन्न हुआ। यह प्रदर्शनी 21 सितंबर तक सभी के लिए खुली हैं।

इस प्रदर्शनी की विशेषता है कि देश में पहली बार अनफॉरगेटेबल मेमोरीज के माध्यम से मुंबई, देश व मानवता की नींव रखने वाले प्रबुद्ध लोगों को इस पितृपक्ष के दौरान अनूठी श्रद्धांजलि देने के लिए उनके ए. आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से निर्मित चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित की गई है। इन 32 चित्रों में अहिल्याबाई होलकर, जमशेदजी जीजीभॉय, प्रेमचंद रायचंद जैन, लोकमान्य तिलक, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, विनायक दामोदर सावरकर, जे.आर.डी. टाटा, आचार्य तुलसी, लता मंगेशकर, ओशो रजनीश, रतन टाटा, आचार्य विद्यासागर महाराज इत्यादि का समावेश हैं। महाराष्ट्र राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक मंत्री आशीष सेलार ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह काफी सकारात्मक पहल है और प्रधानमंत्री मोदी साहब द्वारा प्रशस्त मार्ग के संस्कृति एवं टेक्नोलॉजी का अभूतपूर्व मिश्रण हैं। बेलारूस के राजदूत अलियाक्सांद्र मात्सुको ने अपने संबोधन में कहा कि कला पूरे विश्व को एक साथ जोड़ने का काम करती है और इस ए आई द्वारा निर्मित महान आत्माओं के चित्र समाज को प्रेरणा देते रहेंगे।

जिन महानुभावों के चित्र इस प्रदर्शनी में दशाएँ गए उनके परिवार से नानासाहेब जगन्नाथ शंकरसेठ के प्रपौत्र उदय शंकरसेठ, कॉमनमैन के जनक आर. के. लक्ष्मण की बहु ऊषा लक्ष्मण एवं स्वतंत्रता सेनानी पुरुषोत्तमदास एच. पुरोहित के पुत्र जगदीश पुरोहित सहित सभी को मंत्री आशीष शेलार द्वारा सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी में सम्मानित अतिथियों मल्लखंब गुरु पद्मश्री प्रेमजीत बारिया, पद्मश्री उदय देशपांडे, आई ए एस निधि चौधरी, आई आर एस प्रशांत पाटील, पूर्व आर्ट निर्देशक प्रोफेसर वाघमारे, काला घोड़ा एसोसिएशन की चेअरपर्सन वृंदा मिलर के साथ उत्तम वी. जैन, गणपत कोठारी, किशोर खाबिया जैन ने भी प्रदर्शियों की काफी प्रशंसा की।

मुंबई मानसून के तहत देश भर से चुनिंदा 34 नामी कलाकारों की कला प्रदर्शनी जिसमें चित्र, मूर्तियां, कला कृतियां एवं फोटों का समावेश किया गया हैं। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन कला संवाद के राजकुमार शर्मा, आर्ट क्यूरेटर नंदू सरस्वती, हर्षित शर्मा के साथ राजेन्द्र भोंसले, संतोष आड़विलकर, दिपक बच्छाव (पाटील) सतीश सुवार्रे (डिझायनर) एवं भगवान कदम ने किया। मंच का संचालन क्रिएटिव कनिका ने किया। चित्रः मुकेश मेहरा व दिलीप कागड़ा ।

पालघर में बुजुर्ग ने पत्नी की हत्या करने के बाद किया खुदकुशी का प्रयास

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में 80 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी 74 वर्षीय पत्नी की कथित तौर पर चाकू से गोदकर हत्या कर दी और फिर आत्महत्या के इरादे से कलाई काट ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि बुजुर्ग और उनकी पत्नी लंबे समय से बीमार थे, और संभवतः इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया। हालांकि, अधिकारी ने उनकी बीमारी के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। यह घटना शनिवार शाम वसई इलाके में हुई।

अधिकारी ने बताया कि बुजुर्ग व्यक्ति ने कथित तौर पर रसोई में रखे चाकू से अपनी पत्नी की हत्या की और फिर उसी चाकू से अपनी कलाई काट ली। दंपति का बेटा जब घर लौटा तो उसने दरवाजा अंदर से बंद पाया। उसने दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया और देखा कि मां खून से लथपथ थी और पिता घायल अवस्था में थे। अधिकारी ने बताया कि महिला की मौत हो चुकी थी, और बुजुर्ग व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है, और भारतीय दंड संहिता की धारा 103(1) (हत्या) के तहत बुजुर्ग व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

गणपति बप्पा की विदाई के मौके पर विहिप-बजरंग दल ने भक्तों हेतु की अल्पाहार की व्यवस्था

पालघर(उत्तरशक्ति)। गणेश विसर्जन के पावन अवसर पर बोईसर प्रखंड विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल की ओर से सभी भक्तों के लिए विशेष अल्पाहार सेवा की व्यवस्था की गई। इस दौरान गणेश पांडालों के पदाधिकारियों का मंच पर भगवा वस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए गणेश भक्तों के लिए बड़ा पाव व शीतल जल वितरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पालघर पुलिस अधीक्षक यातिश देशमुख व कोकण प्रांत बजरंग दल संयोजक रंजीत जाधव ने दीप प्रज्ज्वलन एवं नारियल फोड़कर किया। भारी वर्षा के बावजूद विश्व हिंदू परिषद - बजरंग दल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता पूरे उत्साह और निष्ठा के साथ लोगों की सेवा में लगे रहे।

इस अवसर पर रंजीत जाधव ने संगठन के कार्यों की सराहना की, वहीं कोकण प्रांत गौ-रक्षा प्रमुख चंदन सिंह ने कहा, ‡बजरंगी की सेवा को बारिश और तूफान नहीं रोक सकते। बजरंग दल संघर्ष और सेवा के लिए बना है।‡ विसर्जन यात्रा के दौरान देर रात तक गणेश भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और लगातार अल्पाहार वितरण जारी रहा। इस बीच सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में डीवाईएसपी विकास नाईक, पुलिस इंस्पेक्टर शिरीष पवार एवं उनकी टीम सक्रिय रही। ट्रैफिक नियंत्रण में इंस्पेक्टर सुरेश सालुंखे और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बजरंग दल के स्वयंसेवकों ने भी यातायात प्रबंधन में पुलिस का भरपूर सहयोग किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामरंजन सिंह (सह-मंत्री, विश्व हिन्दू परिषद, पालघर जिला), एस.पी. सिंह (प्रखंड अध्यक्ष), अरविंद सिंह, कुंदन सिंह, रोबिन सिंह (प्रखंड संयोजक, बजरंग दल), मायाराम गुप्ता, राजपाल सेहलावत, राहुल पाटिल, दीक्षित सिंह, राहुल, राजन, हरिओम, आयुष तिवारी, पवन यादव आदि का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सूत्र संचालन मनोज मिश्रा ने कुशलतापूर्वक किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

नकाबपोश बदमाशों ने युवक पर की अंधाधुंध फायरिंग, हालत गंभीर

सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में आए दिन हो रही घटनाओं से क्षेत्र में दहशत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के उडली गांव में बीती रात करीब 8 बजे उस समय सनसनी फैल गई। जब मोटरसाइकिल पर सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अंधेरे का फायदा उठाकर हमलावर मौके से फरार हो गए। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए उसे वाराणसी रेफर कर दिया। उक्त गांव निवासी लालता यादव का पुत्र योगेंद्र उर्फ हसनु (40) रविवार रात घर से करीब 150 मीटर दूर सड़क किनारे किसी व्यक्ति से बातचीत कर रहा था। तभी मोटरसाइकिल से पहुंचे बदमाशों ने उस पर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। गोली लगने से योगेंद्र के कंधे और पेट में गंभीर चोटें आईं। गोलियों की तड़तड़ाहट से गांव में दहशत फैल गई। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। उधर, घटनास्थल की तलाशी के दौरान पुलिस को एक खोखा भी बरामद हुआ। थाना प्रभारी ने बताया कि घायल का इलाज चल रहा है और मामले की गहन जांच की जा रही है। बदमाशों की तलाश मैं पुलिस सक्रिय है।

व्यापारी से जमीन हड़पने के मामले में सीजेएम कोर्ट में पेश हुए अब्बास अंसारी

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। व्यापारी की जमीन जबरन हड़पने के मामले में अब्बास अंसारी आज सीजेएम कोर्ट में पेश हुए। यह मामला 2023 में दर्ज हुआ था। एक व्यापारी नेता ने सदर कोतवाली में अब्बास अंसारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अंसारी ने जबरन उनकी जमीन हड़प ली। इस मामले में कोर्ट ने अब्बास अंसारी को तलब किया था। आज अब्बास सीजेएम कोर्ट में पेश हुए। मामले की सुनवाई के बाद अगली तारीख 24 सितंबर तय की गई है।

वर्ष 2012 में मुख्तार ने व्यापारी नेता अबु फखर से जमीन खरीदने का दावा किया था। जबकि वर्ष 2023 में व्यापारी नेता अबु फखर ने मुख्तार के खिलाफ जमीन जबरन हड़पने का केस दर्ज कराया था। मामले में अब्बास अंसारी, आतिफ रजा, अनवर शहजाद भी आरोपी हैं।

मालूम होगी जहां एक तरफ मुख्तार अंसारी की मौत हो चुकी है वहीं दूसरी तरफ वादी अबू फखर खान की भी मौत हो चुकी है। बता दें मामला जमीन की जबरदस्ती रजिस्ट्री कराने से जुड़ा हुआ है। अबू फखर ने सदर कोतवाली में एक मुकदमा दर्ज कराया था जिसमें उन्होंने मुख्तार अंसारी समेत 5 लोगों को आरोपी बनाया था और बताया था कि 2012 में जब मुख्तार अंसारी लखनऊ जेल में बंद था। उस समय मुख्तार ने मुझे लखनऊ जेल बुलाया था और मेरी रौजा स्थित जमीन को अपने परिजनों के नाम रजिस्ट्री करने के लिये धमकाया। मैने डर के मारे जमीन को अब्बास अंसारी के नाम रजिस्ट्री कर दिया और बाद में रजिस्ट्री के एवज में दिया गया पैसा मुझसे ब्लैंक चेक के माध्यम से धमकाकर वापस ले लिया गया। इसी मामले में आज सीजेएम कोर्ट में अब्बास अंसारी पेशी पर आये थे।

चौकी प्रभारी की तत्परता और सजगता से मिली कामयाबी

सिगरा थाना क्षेत्र में हुई घटना का त्वरित निस्तारण

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के सिगरा थानांतर्गत सोनिया पुलिस चौकी प्रभारी सत्यदेव गुप्ता ने किया त्वरित कार्यवाही और बरामदगी घटना के सन्दर्भ में अमित कुमार सिंह पुत्र अजय कुमार सिंह निवासी मकान संख्या 9 कालिया नगर कॉलोनी गुरुबाग रोड रथयात्रा सिगरा वाराणसी के मकान से कीमती गहनों की चोरी हो गई। जिसके सन्दर्भ में वादी ने सिगरा थाने में तहरीर दिया, जहाँ प्रभारी निरीक्षक सिगरा संजय मिश्रा ने सज्ञान लेते हुए। त्वरित रूप से इस कार्य हेतु तेज तर्रार दरोगा चौकी प्रभारी सोनिया सत्यदेव गुप्ता को जिम्मेदारी सौंपी जहाँ उक्त चौकी प्रभारी ने गहानता से जाँच करते हुए। तमाम सबूतों के बिना पर घर में ही काम करने वाली नौकरानी से पूछताछ कर कड़ाई करते हुए। लगभग 12 लाख रुपये के कीमती आभूषण बरामद कर लिए तथा उपरोक्त आभूषण उसके स्वामी अमित कुमार सिंह को जाँच उपरांत पुष्टी होने पर हवाले किया। बता दें सत्यदेव गुप्ता चौकी प्रभारी सोनिया ने पूर्व में भी जुए सट्टे और अन्य तमाम घटनाओ पर लगाम लगाया है। उच्चाधिकारियो के निर्देश पर कार्य सरकार का कड़ाई से पालन करते दिखाई दे रहे।

सड़क हादसे में मासूम बच्चे की हुई मृत्यु

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जिले के दुद्धी कस्बे में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे में एक चार साल के मासूम की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है और परिवार में मातम छा गया है। पिपराडीह के रहने वाले मासूम आयान गुप्ता अपनी दादी के साथ बाजार में खरीदारी करने आए थे। दुद्धी में श्री संकटमोचन मंदिर के पास एक गिट्टी से भरे टीपर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से मासूम को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आयान दो भाइयों में सबसे छोटा था और उसकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में चारों ओर सिर्फ. गमगीन माहौल और रोने-धोने की आवाजें सुनाई दे रही। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने हादसे में शामिल टीपर को तुरंत जब्त कर लिया है और उसके चालक को भी हिरासत में ले लिया है। इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस दुखद घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है। उनका कहना है कि श्री संकटमोचन मंदिर के पास सड़क पर अतिक्रमण के कारण रास्ता बहुत संकरा हो गया है, जिसकी वजह से आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाने और सड़क को चौड़ा और सुरक्षित बनाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी कोई दुर्घटना न हो।

भगवान चित्रगुप्त सर्वसमाज के देवता, न्याय के प्रतीक: सिद्धार्थ नाथ

सर्वसमाज का संगम: जौनपुर से उठी भगवान चित्रगुप्त न्याय यात्रा की गूंज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर द्वारा आयोजित सर्वसमाज सम्मेलन में बड़ी संख्या में कायस्थ, वैश्य और विभिन्न समाजों के लोग शामिल हुए। सम्मेलन में वक्ताओं ने भगवान चित्रगुप्त जी को न्याय और सत्य के प्रतीक बताते हुए कहा कि वे किसी एक जाति या समाज के नहीं, बल्कि समस्त मानवता के देवता हैं। मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं प्रयागराज पश्चिम से विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि ह्भगवान चित्रगुप्त जी सबके हैं, उनका पूजन करने का अधिकार सबको है। वे लेखा-जोखा रखने वाले न्यायदेवता हैं, इसलिए देश की हर अदालत में उनकी मूर्ति लगाई जानी चाहिए और अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही क्वीन की मूर्तियां हटाई जानी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि वाराणसी कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने दूरभाष पर संदेश भेजते हुए कहा कि वे इस सम्मेलन में व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं हो पाने पर खेद जताते हैं और आयोजन की सराहना करते हैं।

समाजों का मिलन और शोभायात्रा की तैयारी: महासमिति अध्यक्ष मनोज अग्रहरी ने कहा कि वैश्य समाज भी दीपावली पर कलम-दवात की पूजा करता है और भगवान चित्रगुप्त पूजन के दिन से उसका पुनः प्रयोग करता है। इस बार शोभायात्रा में वैश्य समाज हजारों की संख्या में शामिल होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे धार्मिक संगठन के अध्यक्ष हैं, न कि किसी जाति विशेष के। कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि मैं कायस्थ समाज का अध्यक्ष हुआ हूं जो गलत है, मैं तो धार्मिक संगठन श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति का अध्यक्ष हुआ हूं और निष्ठापूर्वक कार्य करुंगा।

महासमिति संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता सरस चंद श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि 23 अक्तूबर को दोपहर 3 बजे भगवान चित्रगुप्त मंदिर बारीनाथ से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो रूहट्टा मंदिर तक जाएगी। इसमें सर्व समाज के हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी होगी।

डीएनए वैज्ञानिक डॉ. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान विष्णु ने चित्रगुप्त जी को वरदान दिया था कि उनकी पूजा करने वालों को बुद्धि, धन और मोक्ष की प्राप्ति होगी।

सर्व समाज का व्यापक समर्थन: सम्मेलन में व्यापारी नेता रवीन्द्र अग्रहरी सहित अनेक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि भगवान किसी एक जाति तक सीमित नहीं हैं, वे सबके होते हैं। सम्मेलन में कायस्थ, वैश्य, ब्राह्मण, मौर्य, यादव, अग्रहरि सहित अनेक समाजों के नेता और सामाजिक संगठन शामिल हुए। सबने मिलकर शोभायात्रा को सफल बनाने का संकल्प लिया।

सभा को संबोधित करने वालों में विनोद अग्रहरी, डॉ. विवेक श्रीवास्तव, चंद्रमोहन श्रीवास्तव, भाजपा नेता पंकज जायसवाल, अतुल दुबे, डॉ. रामसूरत मौर्य, कृष्ण कुमार जायसवाल, धर्मेंद्र यादव, दिनेश चंद्र श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार: सम्मेलन का संचालन संस्थापक अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया (एडवोकेट) ने किया। अंत में आभार व्यक्त पूर्व प्रशासनिक अधिकारी राकेश श्रीवास्तव ने किया। यह आयोजन इस संदेश के साथ संपन्न हुआ कि भगवान चित्रगुप्त न्याय, सत्य और सद्भाव के प्रतीक हैं और उनका पूजन जाति-धर्म से ऊपर उठकर सभी समाजों को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बनेगा।

खुटहन पुलिस ने चोरी की घटना का अनावरण करते हुए तीन चोरों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष खुटहन चन्दन कुमार राय के नेतृत्व में उ0नि0 महेन्द्र यादव मय हमराह तलाश वाछिंत तलाश वारण्टी व रात्रि गस्त में मामूर होकर बनुआडीह पर मौजूद थे कि रात्रि गस्त में लगे उ0नि0 रामजनम यादव मय हमराह व कोबरा कर्मचारीगण हे0का0 दिनेश कुमार यादव, का0 मानिन्द्र यादव भी मौके पर आ गये। पुलिस टीम आपस में क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओ के बारे में बातचीत कर रही थी कि मुखवीर खास ने आकर सूचना दिया की तीन शातिर किस्म के चोर, बकरी व मोटरसाइकिल के साथ सेवईनाला भटपुरा के पास मौजूद है। कही बेचने के लिये ले जाने वाले है यदि जल्दि किया जाये तो पकड़े जा सकते है। इस सूचना पर विश्ववास कर हमराही कर्मचारीयों को अवगत कराते हुए मय मुखबिर मय हमराहीयान के बनुआडीह से प्रस्थान कर सेवईनाला भटपुरा के थोड़ा पहले पहुँच कर अपने वाहन को किनारे लगाकर झाड़ियो की आड़ लेकर पैदल आगे बढे कि मुखवीर खास नें इशारा कर बताया कि साहब वह तीन लोग खडे है। वही है कि पुलिस टीम उन लोगो के पास पहुँची कि तीनो व्यक्ति पुलिस वालो को देख कर सकपका कर भागने का प्रयास किये हम लोगो नें घेर घार कर पकड़ लिया पकडे गये। व्यक्तियों से नाम पता पूछा गया तो पहले ने अपना नाम राशिद उर्फ पुद्दू पुत्र अब्दुल कलाम निवासी ग्राम शेख अशरफपुर थाना खुटहन जनपद जौनपुर बताया, तथा दूसरे नें अपना नाम साहिल कुरैशी पुत्र लल्लन उर्फ सोहराब निवासी ग्राम शेखपुर अशरफपुर थाना खुटहन जनपद जौनपुर बताया, तथा तीसरे ने अपना नाम रेहान उर्फ मोटू पुत्र अरमान निवासी ग्राम पोटरिया थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर, हाल पता काशी राम कालोनी शाहगंज थाना शाहगंज जनपद जौनपुर बताया। कड़ाई से पुछताछ करने पर बताये की साहब हम लोग रात में घूमफिर करके चोरी करते है। बकरियो के बारे में पुछा गया तो बताये की साहब हमलोग दिनांक 4/5.9.2025 की रात्रि में लवायन गांव से करकट के नीचे सफेद रंग की बकरी व सफेद रंग का बकरा बधे थे जिनको हम तीनो लोग चुरा करके इसी मोटरसाकिल से भाग गये थे। तथा लाल रंग वाला बकरा हमलोगो ने जलालपुर अम्बेडकर नगर के पास से रोड़ के किनारे चर रहा था हम लोगो ने मोटरसाइकिल से लेकर भाग गये थे। इनको बेचने के लिये ले जाने वाले थे। दिनांक 29.08.2025 की रात में हमलोग बहरीपुर गांव में भट्ठे के पास एक घर एकान्त में है उसमें घर के अन्दर घुस करके चोरी किये थे जिसमें 2200 रुपये नगद मिले थे तथा एक मोबाइल स्क्रीन टच तथा एक अंगुठी चुराये थे जिसे हमलोग एक राहगीर को 15000 रुपये (पन्द्रह हजार रुपये) में बेचे थे जो पैसा मिला था हमलोग आपस में बराबर बराबर बाट लिये थे जिसमें से पैसा खर्च होने के बाद कुछ पैसा हम लोगो के पास बचा है। विश्वास होने पर कि मु0अ0सं0 261/25 धारा 303(2) बीएनएस थाना खुटहन जौनपुर व मु0अ0स0 255/25 धारा 305 बी0एन0एस0 थाना खुटहन जौनपुर से सम्बन्धित ही चोर है को मय चोरी की 03 राशि बकरिया व घटना मे प्रयुक्त एक मोबाइल व घटना में प्रयुक्त एक पल्सर मो0सा0 के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सिकरारा पुलिस दस हजार के इनामियां गैंगेस्टर एक्ट के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक सिकरारा मय हमराह द्वारा मु0अ0सं0-195/25 धारा-3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट थाना सिकरारा जौनपुर से सम्बन्धित वांछित आरोपी सचिन यादव उर्फ देवा पुत्र महेन्द्र यादव निवासी ग्राम देवापार थाना मड़ियाहूँ जनपद-जौनपुर जो 10,000/- रुपये का पुरष्कार घोषित अपराधी है, को मुखबिर खास की सूचना पर चौकी झिमलगंज के पास से गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है। आरोपी के पास से बरामद स्कार्पियो को अन्तर्गत धारा 207 एमवीएक्ट में सीज किया गया। अरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

आईएमएस बीएचयू में 17 सितंबर से दो दिवसीय स्वास्थ्य मेला

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आईएमएस) का वार्षिकोत्सव 19 सितंबर को मनाया जाएगा। इस अवसर पर 17 सितंबर से दो दिवसीय स्वास्थ्य मेला आयोजित किया जाएगा। यह मेला संस्थान के न्यू लेक्चर थियेटर में होगा। कार्यक्रम संयोजक प्रो. टी.पी. चतुर्वेदी और सह संयोजक प्रो. बी. राम एवं एस.के. भारतीय होंगे। आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो. एस.एन. संखवार ने आयोजन की तैयारी के लिए 15 समितियां गठित की हैं। स्वास्थ्य मेला समिति के संयोजक प्रो. वी.एन. मिश्रा को बनाया गया है। डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि वार्षिकोत्सव में बीते एक वर्ष के दौरान संस्थान की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जाएगा। स्वास्थ्य मेले का उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना और विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का लाभ देना है।

आजमगढ़ में गला रेतकर हुई हत्या के मामले का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रेम प्रसंग बना घटना का कारण, हत्यारोपी ने कहा बेटी से करता था बात, मना किया पर नहीं माना

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना के निर्देशन में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जहानागंज थाना पुलिस ने हत्या की एक सनसनीखेज घटना का 12 घंटे के भीतर खुलासा कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया एक चाकू भी बरामद किया गया है। 08 सितंबर को सागर राम, निवासी धनारबांध, थाना जहानागंज, ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनके गांव के ही तीन व्यक्तियों आशुतोष उर्फ आंशु (22 वर्ष), श्रवण कुमार (23 वर्ष), और राजेंद्र उर्फ विजय कुमार (47 वर्ष) ने पुरानी रंजिश के चलते उनके 22 वर्षीय बेटे जयहिंद की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। इस शिकायत के आधार पर थाना जहानागंज में मुकदमा संख्या 278/25, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। थानाध्यक्ष अतुल कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को आज सुबह 7:30 बजे सुहेलदेव यूनिवर्सिटी मोड़, आजमबांध के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर गांव के बाहर धान के खेत से हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया। इसके आधार पर मुकदमे में धारा 4/25 आर्म्स एक्ट भी जोड़ा गया। पूछताछ में आरोपी राजेंद्र उर्फ विजय ने बताया कि मृतक जयहिंद उनकी बेटी से बातचीत करता था, जिसे उन्होंने कई बार मना किया था। जयहिंद के नहीं मानने पर राजेंद्र ने अपने भतीजे श्रवण और उसके दोस्त आशुतोष के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई और गांव के बाहर सुनसान धान के खेत में जयहिंद का गला रेत दिया।

समाधान दिवस पर आई 64 शिकायतें

मछलीशहर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एडीएम अजय कुमार अंबष्ट की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 64 शिकायतें आईं। जिसमें किसी शिकायत का निस्तारण मौके पर नहीं किया गया। अपर जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को संबंधित विभाग को प्रेषित कर निस्तारण का निर्देश दिया।

डोभी में निःशुल्क नेत्र एवं हार्ट जांच शिविर

गुड़िया राज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कंपोजिट विद्यालय कोपा डोभी में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय और इनफिनिटी केयर हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क नेत्र और हृदय जांच शिविर लगाया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने जांच कराई और मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों के ऑपरेशन की योजना बनाई गई है। इसके अलावा, हीरापुर मचहटी में आरजे शंकरा आई हॉस्पिटल द्वारा प्रतिमाह निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसमें मोतियाबिंद के ऑपरेशन भी मुफ्त होते हैं। हालिया शिविर का विवरण (सितंबर 2025) आयोजनकर्ताः समाजसेवी मिथिलेश यादव।

स्थान: कंपोजिट विद्यालय कोपा डोभी, जौनपुर।

सेवाएंः नेत्र जांच,सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय की टीम ने 489 लोगों की आँखों की जांच की, जिनमें से मोतियाबिंद और अन्य नेत्र रोगों से पीड़ित 141 मरीजों को चिह्नित किया गया। इन मरीजों का ऑपरेशन चित्रकूट स्थित सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय में होगा। हृदय जांच वाराणसी के इनफिनिटी केयर हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम ने 252 लोगों की जांच की।

अन्य नियमित शिविरः हीरापुर मचहटी में नेत्र जांच शिविर- आयोजनकर्ता आरजे शंकरा आई हॉस्पिटल (वाराणसी) के सहयोग से हर महीने के पहले सप्ताह में आयोजित किया जाता है। गरीब और जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त में आँखों की जांच, मोतियाबिंद के ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध होती है।

शिविर में भाग लेने के लिए आधार कार्ड की दो प्रतियां और मोबाइल नंबर साथ ले जाना होता है। इन शिविरों का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को आँखों की समस्या से मुक्ति दिलाना है, खासकर वे लोग जो आर्थिक कारणों से इलाज नहीं करा पाते है। समाजसेवी मिथिलेश यादव फौजी द्वारा लगाया गया नेत्र जांच और हार्ट जांच शिविर जनपद जौनपुर के समाजसेवी सूबे. मेजर (से.नि.) मिथिलेश यादव द्वारा क्षेत्र के लिये निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर और आपरेशन तथा हार्ट जाँच शिविर का आयोजन कंपोजिट विद्यालय कोपा डोभी जौनपुर में किया गया। सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय से आये डॉक्टर के टीम द्वारा कुल 489 लोगो की स्क्रीनिंग की गई जिसने 141 लोग मोतियाबिंद सहित अन्य आँख की बीमारियों से ग्रसित पाया गया। सभी चिन्हित किए गये 141 मरीजों को बस द्वारा सदगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट स्वयं मिथिलेश यादव जी साथ जाकर मरीजो का आपरेशन दिनांक 09 सितम्बर को करवायेंगे। हार्ट जाँच के लिए वाराणसी के बहूप्रतिष्ठित इनफिनिटी केयर हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ की टीम 252 लोगों की जाँच की।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अनिल यादव मैनेजमेंट गुरु जितेन्द्र यादव, डॉ.रमेश, विवेक जिला पंचायत, प्रधान चंद्रकेश जायसवाल, डॉ.संजय यादव, सुभाष यादव, बृजेश, पूर्व प्रधान सुरेंद्र, जय सिंह, लहरू, अरविंद, सिंटू, शुभम, दीपक, गुड्डू यादव, पंकज यादव, संतोष गोंड, इंदरसेन यादव, अंकित, राहुल सहित क्षेत्र के तमाम युवा साथी मौजूद थे।

नगर पंचायत केराकत की तानाशाही के खिलाफ व्यापारियों ने खोला मोर्चा

फर्जी कर लगाये जाने के विरोध में समाप्ति तक किया गया संघर्ष की घोषणा

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत नगर पंचायत क्षेत्र के नागरिकों पर नगर पंचायत द्वारा तानाशाही पूर्व रवैया अपनाते हुऐ जीआईएस सर्वेयर नियुक्त उनके जरिये जल मुल्य, गृह कर, एवं जल निकासी के नाम पर वित्तीय वर्ष 2025-2026 का फर्जी बिल बनाकर नोटिस जारी करनें को लेकर नगर वासियों और व्यापारियों में भारी जनाक्रोश भड़क उठा है। सोमवार 8 सितम्बर को नगर के लोगों तथा उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल केराकत नगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार कमलापुरी (पिंकू) के नेतृत्व में व्यापार मण्डल के प्रतिनिधि मण्डल नें प्रभारी अधिकारी सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील केराकत को अपनी मांगों का ज्ञापन देते हुए नगर पंचायत द्वारा मनमानी व फर्जी ढंग से लगाये गये नये कर का पुरजोर विरोध करते हुये तत्काल वापस लेने की मांग की गयी। ज्ञापन में चेतावनी देते हुऐ कहा गया है कि अगर एक सप्ताह के अन्दर उक्त आदेश वापस नहीं लिया गया तो नगरवासी और व्यापार मण्डल केराकत के लोग सड़क पर उतरनें के साथ धरना प्रदर्शन के लिये विरोध स्वरूप मजबूर हो जायेंगे। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी नगर पंचायत केराकत की होगी। समय रहते चेते वरना जनता सड़क पर उतरनें को बाध्य होगी। ज्ञापन देने प्रमुख लोगों में नगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार कमलापुरी पिंकू, नगर महामंत्री दयाराम गुप्ता, तहसील अध्यक्ष केराकत घनश्याम जायसवाल, तहसील कोषाध्यक्ष केराकत राजेन्द्र कसौधन, सपा नगर अध्यक्ष आजाद कुरैशी, अम्बरीष उपाध्याय, मनोज कमलापुरी, प्रभाकर सेठ पूर्व अध्यक्ष प्रत्याशी नगर पंचायत केराकत, सुनीता, रीना सोनकर समेत सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल रहे।

जी एस कॉलेज में मनाया गया विश्व साक्षरता दिवस

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज स्थानीय शहर के गोरख सिंह महाविद्यालय के बी एड प्रभाग में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के निदेशक सह अध्यक्ष डॉ अभय कुमार सिंह ने कहा कि इस दिवस पर हम प्रति वर्ष की भांति शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। जो एक मौलिक अधिकार है और सतत विकास की कुंजी ह।, यह दिवस शिक्षा से संबंध रखने वाले समुदाय के सभी वर्गों में साक्षरता को बढ़ावा देने और निरक्षरता के उन्मूलन के लिए जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में शैक्षिक निदेशिका श्रीमती वीणा सिंह, प्राचार्य डॉ अश्वनी कुमार सिंह, डॉ अर्चना मिश्रा, डॉ सोनू कुमार यादव, डॉ मंजीत कुमार, डॉ राजनाथ,डॉ संदीप तिवारी, रामवृक्ष, सत्य प्रकाश, सुनील गिरी, मनोज कुमार सिंह, श्रीमती कृष्णा सिंह, राहुल कुमार सिंह आदि शामिल हुए। प्राचार्य ने इस कार्यकम के सफल आयोजन हेतू महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एव प्रशिक्षुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

ॐ सांई मित्र मंडल के सदस्यों ने गणपति बप्पा का किया विसर्जन

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। ॐ सांई मित्र मंडल,नालासोपारा (पूर्व) संतोष भवन में स्थापित गणेश बप्पा का विसर्जन बड़े धूमधाम से किया गया। मंडल के पदाधिकारियों द्वारा आयोजित भव्य गणेशोत्सव पंडाल में 11 दिनों तक पूजा अर्चना करने के उपरांत गणपति बप्पा मोरया पुढच्या वर्षी लौकर या के उदघोष के साथ गणपति बप्पा का विसर्जन कर दिया गया। जिसमें संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने श्री गणेश जी को नम आंखों से विदाई की। संस्था के पदाधिकारी ज्ञान सिंह , प्रकाश चंद मिश्रा, राजीव सिंह , राजेश्वर सिंह, विशाल सिंह (ननवाग), दिनेश तिवारी, शैल सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सहित अन्य सम्मानित सदस्यों ने एक साथ पधारकर गणपति बप्पा के चरणों में नमन किया और समाज की खुशहाली, सुख-समृद्धि एवं एकता की मंगलकामना की।

रिहन्द डैम के पुल से नदी में छलांग लगाने वाली महिला को गोताखोरों ने बचाया

डॉ.सुनील कुमार मिश्रा

पिपरी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रिहन्द डैम के पुल से नदी में छलांग लगाने वाली महिला को पिपरी पुलिस ने गोताखोरों की सहायता से बचाया गया । पिपरी थाना पर सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला ने रिहन्द डैम पुल से नदी में छलांग लगा दी है। प्राप्त सूचना पर तत्काल थाना पिपरी पुलिस मौके पर पहुंची गई । मौके पर मौजूद लोगो से जानकारी प्राप्त किया,आरती देवी पत्नी बेचू प्रसाद निवासी वार्ड नंबर 10, पशु अस्पताल के बगल मे पिपरी ,परिजनों में घरेलू विवाद हुआ था। इसी कारण वंश घर से नाराज होकर रिहन्द डैम पुल पर जा पहुंची और वहीं से नदी में छलांग लगा दी। घटना स्थल पर उपस्थित कुछ लोगों ने महिला को बचाने का प्रयास किया। किंतु वह तेज बहाव के कारण डैम की ओर बह गई। थाना पिपरी पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए गोताखोरों की मदद ली गई और महिला को सुरक्षित बाहर निकालकर इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया।जहां डाक्टर द्वारा उसकी स्थिति सामान्य बताई गई है।

ईद मिलादुन्नबी 1500 वां वर्ष धूम धाम से मनाया गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्लाक बक्शा के अन्तर्गत नौपेडवा बाजार मे ईद मिलादुन्नबी के मौके पर पैगम्बर-ए इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा की यौमे पैदाइश का जश्न नौपेडवा बाजार मे मई मोड के निकट गौरी सईत मजार के पास अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया। इस मौके पर जुलूस मे लोग झंडे बैनर लेकर पैदल, एवं वाहनो से,मक्का व मदीना शरीफ की प्रतीक की महफिल सजाई गई। जिसमे आलिमो ने सरकार-दो आलम हजरत मोहम्मद मुस्तफा की अजमत और शरीयत बयान की। इस खुशी के मौके पर लोगो को शर्बत पिलाया गया वही जुलूस मे बक्शा ब्लाक के प्रमुख के पुत्र अंकित यादव, फिरोज अध्यापक, दानिश, असलम,अख्तर,,नसीर,नसीम ,शाहिल,सुहेल ,मो जिशान, अशियम आदि लोग शामिल रहे।

पचास वर्ष से अमृत वाणी कर रहे आध्यात्मिक गुरु डॉ. राजेन्द्र जी महाराज हुए ब्रह्मलीन

मुंबई। मालाड, मुंबई में निवासरत संत शिरोमणि आध्यात्मिक गुरु डॉ. राजेन्द्र जी महाराज रविवार, 7 सितम्बर 2025 को प्रातः ब्रह्मलीन होकर परमधाम को प्रस्थान कर गए। उनका जीवन धर्म, अध्यात्म और करुणा का अनुपम उदाहरण रहा। वे पिछले पचास वर्ष से अमृत वाणी कर जनमानस का कल्याण कर रहे थे। उन्होंने मलाड पश्चिम में ऑरलम स्थित अमोघ धाम की स्थापना सन 2001 में की थी जहां प्रत्येक रविवार को सत्संग किया जाता है। वहां भक्त राम नाम जप करते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक विचारों का संचार करते हैं। उनकी अमृत वाणी को सुनने के लिए दूर दूर से सभी धर्म और समाज के लोग पहुंचते रहे हैं। आध्यात्मिक गुरु राजेंद्र महाराज के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के लिए पीयूष गोयल, गोपाल शेट्टी, विद्या ठाकुर, विनोद शेलर, असलम शेख तथा कई व्यवसायी और समाजसेवक पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किए। सोमवार, 8 सितम्बर 2025 को प्रातः 9 बजे उनके निवास गुरु महिमा, साई बाबा पार्क, मालाड (पश्चिम) से हिंदू श्मशान भूमि, मालाड पश्चिम तक शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें हजारों भक्त और अनुयायी सम्मिलित रहे। डॉ. राजेन्द्र जी महाराज ने मुंबई के वी.जे.टी.आई. इंजीनियरिंग कॉलेज से बीई की डिग्री प्राप्त की और शिक्षा व विज्ञान को अध्यात्म से जोड़ा। उन्होंने पाँच हजार से अधिक सत्संग सभाओं के माध्यम से लाखों श्रद्धालुओं को साधना और सेवा का संदेश दिया।

मीरा-भायंदर में विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन के लिए कमिश्नर के साथ मंत्री सरनाईक की बैठक संपन्न

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंद्रबाई बाबूराव सरनाईक द्वारा आज लगभग 20 महत्वपूर्ण विकास कार्यों की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मीरा-भायंदर महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री कार्यकाल में, मंत्री सरनाईक के प्रयासों से, सरकार ने मीरा-भायंदर के लिए विभिन्न विकास कार्यों के लिए 1800 करोड़ रुपये और सड़कों के लिए 900 करोड़ रुपये की निधि स्वीकृत की थी। उसी निधि के माध्यम से शहर में बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य उद्घाटन के लिए पूरे हो चुके और जल्द ही पूरे होने वाले कार्यों का निर्धारण करना था। मंत्री सरनाईक के माध्यम से महानगरपालिका अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। इसके साथ ही, सभी लंबित कार्यों को 10 अक्टूबर तक पूरा किया जाना चाहिए और तकनीकी प्रक्रिया में अटके कार्यों को एक महीने के भीतर मंजूरी दी जानी चाहिए। मंत्री सरनाईक ने महानगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिया है। नगर निगम चुनाव की घोषणा जल्द ही हो सकती है। आचार संहिता लागू होने से पहले सभी चालू कार्यों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया गया है। कुछ कार्य निधि के अभाव में रुके हुए हैं, मंत्री सरनाईक ने तुरंत निधि स्वीकृत करने और कार्यों को पूरा करने के लिए पत्र भेजने के निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान हुई चचाओं के बारे में बात करते हुए मंत्री सरनाईक ने कहा कि हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी का उद्घाटन मीरा-भायंदर के लिए गौरव का क्षण है। दिवाली के अवसर पर कला प्रेमियों के लिए यह एक बड़ा तोहफा होगा। साथ ही, प्रमोद महाजन आर्ट गैलरी का काम समय पर पूरा करने के लिए प्रशासन को तेजी से काम करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि यह काम 10 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। इसके साथ ही, ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करने के लिए सड़क के काम को प्राथमिकता से पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। हम श्मशान, झील, सामुदायिक भवन, साइकिल ट्रैक, जॉगिंग ट्रैक जैसे सभी विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि शहर के नागरिकों को अच्छी सुविधाएँ मिल सकें। एमएमआरडीए, नगर निगम और संबंधित विभाग समय पर काम पूरा करें और विकास की गति नागरिकों के घर तक पहुँचाएँ, यही हमारी अपेक्षा है।

सभी को मिलने लगी एक समान शिक्षा : डॉ सीपू आनंद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में शिक्षक नेता ने कहा की हर वर्ष 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर साक्षात्कार के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि साक्षरता केवल पढ़ने लिखने की क्षमता नहीं बल्कि गरिमा अवसर और बुनियादी मानव अधिकार से जुड़ा एक मूलभूत साधन है। यूनेस्को ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुरूआत की है जिसकी परिकल्पना 1965 में तेहरान में आयोजित ह्य निरक्षरता उन्मूलन पर शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन ह्य के दौरान हुई थी । 1967 से यह मानाया भी जाने लगा इस दिन शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और प्रगति का आधार मानते हुए दुनिया के हर समुदाय में साक्षरता फैलाने का आह्वान किया जाता है। साक्षरता केवल अक्षरों की पहचान नहीं हैं यह व्यक्तियों को जागरुक नागरिक बनाती है। उन्हें आर्थिक अवसरों से जोड़ती है और सामाजिक समानता की राह प्रशस्त करती है। डिजिटल युग में साक्षात्कार का स्वरूप और भी व्यापक हो गया है।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण-2025 हेतु बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण-2025 हेतु जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में समस्त उप जिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पं0) एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी/समन्वयक अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बी0एल0ओ0 द्वारा किये गये गणना एवं सर्वे कार्य की स्थिति, बीएलओ द्वारा ई-बीएलओ मोबाइल एप के माध्यम से किये गये परिवर्धन, संशोधन एवं अपमार्जन की कार्यवाही, बीएलओ की ऑनलाइन उपस्थिति, ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों पर की गयी कार्यवाही, आयोग द्वारा उपलब्ध कराये गये सम्भावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन की कार्यवाही के सम्बन्ध में चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गयी सम्भावित डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची बी0एल0ओ0 द्वारा सत्यापन किये जाने हेतु सभी उप जिलाधिकारियों को 26 अगस्त 2025 को उपलब्ध करा दी गयी है। बी0एल0ओ0 द्वारा सत्यापन करने के दौरान जो मतदाता सत्यापित हो जाते हैं उसके सम्बन्ध में सूची के कालम-11 में नहीं अंकित जायेगा तथा कालम-12 में सत्यापित मतदाता के आधार कार्ड का अंतिम चार अंक लिखा जायेगा। सत्यापन के दौरान जो मतदाता सत्यापित नहीं होते हैं उनके सम्बन्ध में सूची के कालम-11 में हाँ लिखा जायेगा तथा कालम-13 में एक संक्षिप्त टिप्पणी अवश्य लिखी जायेगी। इन डुप्लीकेट मतदाताओं को मतदाता सूची से अपमार्जित किये जाने हेतु अपमार्जन सूची (संलग्नक-18) 03 प्रति में पृथक से तैयार की जायेगी जिसके ऊपरी भाग पर डुप्लीकेट शब्द का उल्लेख किया जायेगा। ग्राम पंचायत में सत्यापनोपरान्त बी0एल0ओ0 को उपलब्ध कराई गई प्रोबेबल डुप्लीकेट वोटर लिस्ट जिस पर बी0एल0ओ0 द्वारा समस्त कॉलम को पूर्ण किया गया है, को बी0एल0ओ0 तथा खण्ड विकास अधिकारी (नोडल अधिकारी) द्वारा हस्ताक्षरित करते हुए, सम्बन्धित उप जिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पं0) के पास जमा करायी जायेगी। उप जिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पं0) द्वारा डुप्लीकेट मतदाताओं की जांच कराते हुए विलोपन सूची (संलग्नक-18) अपने हस्ताक्षर एवं मोहर के साथ जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय), को दो प्रतियों में अग्रसारित करेंगे जिससे कि विलोपन की कार्यवाही राज्य निर्वाचन आयोग की साइट पर करायी जा सके। उन्होंने कहा कि बी0एल0ओ0 द्वारा किये गये गणना एवं सर्वे कार्य की रिपोर्ट सम्बन्धित उपजिलाधिकारी के स्तर से उपलब्ध करायी गयी है। अब तक कुल 34.59 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राम अक्षयवर चौहान, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी मछलीशहर सौरभ कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

डीएम के आने पर उमड़ी फरियादियों की भीड़, विकलांग वृद्ध को तत्काल व्हीलचेयर प्रदान करने का दिया निर्देश

विद्युत विभाग के एक्सईएन पर भड़के डीएम, वेतन काटने का दिया आदेश

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी ने कई अधिकारियों और कर्मचारियों को जमकर फटकार भी लगाई। सोमवार को तहसील परिसर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर लगभग 12 बजकर 40 मिनट पर फरियाद सुनने पहुंचे। तब तक जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चन्द ने लोगों की फरियाद बहुत ध्यान से सुना और निस्तारण का निर्देश दिया।डीएम जैसे ही सभागार में पहुंचे वैसे ही एक 65 वर्षीय दिव्यांग बुजुर्ग अमरू पुत्र स्व. बुधई निवासी छताईकला ने डीएम के पैर पकड़ते हुए अपनी व्यथा सुनाई। डीएम ने तत्काल दिव्यांग कल्याण अधिकारी दिव्या शुक्ला को दिया। वहीं विद्युत विभाग की अधिक शिकायतें आने पर जब डीएम ने विभाग के एक्सईएन को तलब किया तो वह नदारत दिखे।जिससे डीएम ने नाराजगी और फोन पर फटकार लगाते हुए वेतन काटने का आदेश दिया।समाधान दिवस पर कुल 106 प्रार्थना पत्र पड़े ।जिसमें से मौके पर 16 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया।और अन्य प्रार्थना पत्रों को सम्बन्धित विभाग को सौंपते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश दिया। उक्त मौके पर एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव, सीएमओ डॉक्टर लक्ष्मी सिंह,सीडीओ ध्रुव खाड़िया, डीपीआरडी मनीष सिंह, डीडीओ मीनाक्षी देवी, जितेंद्र प्रसाद सिंह राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, सीओ अजीत सिंह चौहान, प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह, खुटहन थानाध्यक्ष चन्दन राय, थानाध्यक्ष खेतासराय रामाश्रय राय,एसडीओ विद्युत विभाग, चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी, तहसीलदार आशीष सिंह, कानून गो संजय सिंह,ईओ प्रदीप गिरी, लेखपाल विवेक सिंह, ऋतुराज चौधरी सहित समस्त विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

दिलीप जैन को जन्मदिवस पर बिहार प्रकोष्ठ की तरफ से शुभकामनाएं

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर भारतीय जनता पार्टी मीरा-भायंदर के लोकप्रिय एवं कर्मठ ज़िला अध्यक्ष दिलीप जैन के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर बिहार प्रकोष्ठ की टीम ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए प्रेषित की। इस अवसर पर प्रदेश संयोजक बिहार प्रकोष्ठ एडवोकेट नितीश कुमार वर्मा के नेतृत्व में बिहार प्रकोष्ठ मीरा-भायंदर की टीम धीरेंद्र मिश्रा (महासचिव) राजेश मिश्रा (उपाध्यक्ष) एवं श्रीमती रश्मि मिश्रा उपस्थित रहे। और सभी ने मिलकर श्री जैन जी को पुष्पगुच्छ अर्पित कर दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नेताओं ने कहा कि दिलीप जैन जी का मार्गदर्शन सदैव संगठन को मजबूती प्रदान करता है और उनके नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता नई ऊर्जा एवं प्रेरणा प्राप्त करते हैं। उनका सरल, सौम्य और संघर्षशील व्यक्तित्व सभी कार्यकताओं के लिए अनुकरणीय है। बिहार प्रकोष्ठ की टीम ने यह विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भाजपा मीरा-भायंदर आने वाले समय में और अधिक प्रगति, संगठनात्मक सशक्तिकरण और जनसेवा की नई ऊँचाइयो को प्राप्त करेगी।

नये बिजली कनेक्शन के लिए बंटवारा करने पर उसका अधिकृत दस्तावेज करना होगा प्रस्तुत

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज सभी प्रकार के घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई माह से हर माह 125 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। ऐसे में जिन उपभोक्ताओं की मासिक खपत 125 यूनिट से अधिक है वह अपनी खपत को विभाजित करने की मंशा से नया बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन करने लगे हैं। जिसे विभाग साध्य के अभाव में रिजेक्ट कर दे रहा है। इसकी संभावना को लेकर बिजली कंपनी के जीएम रेवेन्यू ने इस संबंध में सभी अधिनस्त अधिकारियों को स्पष्ट आदेश जारी कर कहा है कि एक परिसर जिसमें पहले से कनेक्शन है और वहां नये कनेक्शन के आवेदन आते हैं तो उसमें सभी दस्तावेज की बारीकी से जांच करें, ताकि इस योजना का लाभ लेने के लिए, दुरुपयोग नहीं हो। आवश्यक हो तो बिजली कंपनी मूल दस्तावेज को भी सत्यापन के लिए मांग सकता है। परिसर के स्वामित्व प्रमाण इनमें से किसी को प्रस्तुत किया जा सकता है। रजिस्टर्ड सेल डीड, पंजीकृत विभाजन विलेख, पंजीकृत किरायानामा, सक्षम प्राधिकार से निर्गत उत्तराधिकार या वारिस प्रमाण पत्र, वसीयत पत्र, वैद्य लीज अभिलेख, सरकारी क्वार्टर के लिए जारी आवंटनपत्र दे सकेंगे। जेई आशीष रंजन ने बताया कि जुलाई माह से फ्री यूनिट योजना का लाभ मिलना था, लेकिन योजना अगस्त में लागू होना उस यूनिट को सीधे प्रीपेड बैलेस में जोड़ दिया गया और जुलाई माह के 125 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ उपभोक्ता के प्रति यूनिट टैरिफ के हिसाब उतनी राशि जोड़कर उनके प्रीपेड बैलेंस में क्रेडिट की गयी है। जे ई ने बताया इस संबंध में अधीक्षण अभियंता, वरीय प्रबंधक राजस्व, कार्यपालक सहायक-कनीय अभियंता को यह निर्देश प्राप्त है। इसके पीछे बिजली कंपनी का स्पष्ट उद्देश्य यह है कि योजना का लाभ सभी घरेलू उपभोक्ताओं को मिलना है लेकिन इसके साथ ही संभावना जतायी जा रही है कि जिनकी खपत 125 यूनिट से अधिक है तो वह अपने घर में खुद से घर को बांटकर पुराने कनेक्शन के अलावा और कनेक्शन ले । बिजली कनेक्शन के लिए नियम तय है, उसी नियम की इसमें बारीकी से जांच कर कनेक्शन देना है।अगर कोई आपसी बंटवारा की बात करते हैं तो उन्हें इसका स्पष्ट प्रमाण देना होगा । नियम में किसी प्रकार की कोताही नहीं होने दी जाएगी।मौसम में बदलाव के कारण बिजली की खपत बढ़ी है। बताया जा रहा है कि 125 यूनिट बिजली फ्री होने के बाद जिनका ज्यादा बिल है, वैसे कुछ लोग दूसरा कनेक्शन के लिए आवेदन दे रहे है जिसे रिजेक्ट किया जा रहा है. नये कनेक्शन के लिए पूर्ण कागजात होनी चाहिए, रेडर के नाम पर कनेक्शन लेने के लिए, रेटर एनीमेट देना होगा। बिजली आपूर्ति 260 से घटकर 220 से 230 मेगावाट हुई है. करीब सात लाख 71 हजार शहरी व ग्रामीण उपभोक्ता है जिन्हें अनवरत बिजली मिले इसके प्रयास में विभाग है।

कौन मारेगा बाजी और किसकी होगी हार? एमेजॉन एमएक्स प्लेयर के नए रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' में

मुंबई। एक ऐसे मुकाबले के लिए मंच तैयार है, जहाँ केवल सबसे समझदार, सबसे दिलेर और सबसे जुझारू ही अंत तक टिके रह पाएंगे! एमेजॉन एमएक्स प्लेयर के जिस रियलिटी ब्लॉकबस्टर राइज एंड फॉल का बेसब्री से इंतजार था, वो बड़ी तेजी से लोगों के बीच चर्चा का विषय बनता जा रहा है। इस शो में शामिल कंटेस्टेंट्स अभी से ही धूम मचा रहे हैं, जिनमें टेलीविजन के पसंदीदा और डिजिटल जगत के चहेतों से लेकर कॉमेडियन और एक्टर्स के साथ-साथ ऐसे इन्फ्लुएंसर्स शामिल भी शामिल हैं, जिनके फैन्स की संख्या लाखों में है। ये सभी ग्लैमर, जोश, ड्रामा और सोच से परे रोमांचक ट्विस्ट का एक बेहतरीन संगम पेश करने वाले हैं, और बड़े दांव वाले इस मुकाबले में हर कोई कुछ खास लेकर आया है।

ऐसे बेहतरीन कंटेस्टेंट्स के साथ, राइज एंड फॉल पहले से ही इस सीजन का सबसे धमाकेदार, मनोरंजक और हैरत में डाल देने वाला रियलिटी शो बनता जा रहा है। इस शो के प्रायोजकों में को-पावर्ड बाय पार्टनर के तौर पर लक्स कोजी, ऑफिशियल लाइटिंग पार्टनर के तौर पर ओरिएंट इलेक्ट्रिक, एआई होम पार्टनर के तौर पर हायर और ऑफिशियल हेल्थ पार्टनर के तौर पर पिंटोला जैसे बड़े-बड़े ब्रांड्स शामिल हैं।

इस्माईल डेन्टल हास्पिटल
दांत का अस्पताल
New Year 2025 Offer
निःशुल्क परामर्श
निःशुल्क एक्स रे
नकली दांत पर 20% की छूट
दांत की सफाई पर 50% की छूट
डा. शाहनवाज़ इस्माईल
डॉ. सहला मुसर्रत
Call: 9044644776, 9580978774

नोबल हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
نوبل ہاسپیٹل اینڈ ریسرچ سنٹر
डा. शारिक नदीम M.B.B.S., MD FICC (Cardiology) फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार M.B.B.S., M.I.M.A जनरल फिजिशियन
डा० इरफान अहमद B.U.M.S.CCH (Indore) N.D.E.P.C.
Helpline- 6307493268
शुगर की जाँच
HbA1c की जाँच
हड्डी की जाँच (BMD)
नस की जाँच (Neuropathy)
फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
यूरिक एसिड
कोलेस्ट्राल की जाँच
थायराइड की जाँच
आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहटियाँ, जौनपुर- 222001

स्नेहा दुबे के जनसंपर्क कार्यालय में पार्टी प्रवेश सम्पन्न

वसई । वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित केजनसंपर्क कार्यालय, वसई पश्चिम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के नेतृत्व में विश्वास रखते हुए और उनके विकास कार्यों से प्रभावित होकर, वसई विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न दलों के कार्यकताओं ने सार्वजनिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश किया। इस सार्वजनिक पार्टी प्रवेश समारोह में आम आदमी पार्टी नालासोपारा के अध्यक्ष आदर्श पांडे, बैंक प्रबंधक जे. पी. यादव, शिवसेना शाखा प्रमुख आशुतोष चौरसिया, बहुजन विकास अघाड़ी मनीष, साथ ही अमन कन्नोजिया और शशांक गुप्ता के नेतृत्व में 40 से 50 कार्यकर्ता ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर, सभी नए कार्यकताओं का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत किया गया और उनसे पार्टी की विचारधारा के अनुरूप देश और समाज हित में कार्य करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर भाजपा वसई विरार शहर जिला महामंत्री बिजेंद्र कुमार, राजेश नायर एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के जंगलों में माओवादी ठिकाने से आग्नेयास्त्र और विस्फोटक बनाने की सामग्री का जखीरा बरामद

बीजापुर । छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के जंगल में सुरक्षाकर्मियों ने एक माओवादी ठिकाने का भंडाफोड़ कर आग्नेयास्त्र और विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का जखीरा बरामद कर उसे नष्ट कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने उसूर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुंजेपरती गांव के पास जंगल से यह बरामदगी की। उन्होंने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 229वीं और 196वीं (यंग प्लाटून बस्तरिया) इकाइयों तथा कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजॉल्यूट एक्शन) की 205वीं बटालियन के संयुक्त दस्ते ने गुंजेपरती फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) से तलाशी अभियान के दौरान माओवादी ठिकाने का पता लगाकर इसका भंडाफोड़ किया। उन्होंने बताया कि बरामद वस्तुओं में एक खराद मशीन, एक विद्युत जनरेटर, एक पानी पंप, एक विद्युत कटर, एक हाइड्रोलिक सिलेंडर, मोटर पार्ट्स, स्टील की प्लेट और आग्नेयास्त्र, विस्फोटक और दवाइयां बनाने में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्रियां शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि बरामद सभी उपकरण और सामग्री को सुरक्षा मानदंडों के अनुसार नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने माओवादियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है।

कला संवाद द्वारा अनफॉरगेटेबल मेमोरीज एवं मुंबई मानसून प्रदर्शनी का उद्घाटन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। कला संवाद द्वारा आयोजित अनफॉरगेटेबल मेमोरीज एवं मुंबई मानसून प्रदर्शनी का उद्घाटन महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार एवं बेलारूस देश के राजदूत अलियाक्सांद्र मात्सुको के करकमलों द्वारा पु. ल. देशपांडे, महाराष्ट्र कला अकादमी, प्रभादेवी मुंबई में संपन्न हुआ। यह प्रदर्शनी 21 सितंबर तक सभी के लिए खुली हैं।

इस प्रदर्शनी की विशेषता है कि देश में पहली बार अनफॉरगेटेबल मेमोरीज के माध्यम से मुंबई, देश व मानवता की नींव रखने वाले प्रबुद्ध लोगों को इस पितृपक्ष के दौरान अनूठी श्रद्धांजलि देने के लिए उनके ए. आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से निर्मित चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित की गई है। इन 32 चित्रों में अहिल्याबाई होलकर, जमशेदजी जीजीभॉय, प्रेमचंद रायचंद जैन, लोकमान्य तिलक, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, विनायक दामोदर सावरकर, जे.आर.डी. टाटा, आचार्य तुलसी, लता मंगेशकर, ओशो रजनीश, रतन टाटा, आचार्य विद्यासागर महाराज इत्यादि का समावेश हैं।

महाराष्ट्र राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक मंत्री आशीष सेलार ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह काफी सकारात्मक पहल है और प्रधानमंत्री मोदी साहब द्वारा प्रशस्त मार्ग के संस्कृति एवं टेक्नोलॉजी का अभूतपूर्व मिश्रण हैं। बेलारूस के राजदूत अलियाक्सांद्र मात्सुको ने अपने संबोधन में कहा कि कला पूरे विश्व को एक साथ जोड़ने का काम करती है और इस ए आई द्वारा निर्मित महान आत्माओं के चित्र समाज को प्रेरणा देते रहेंगे।

जिन महानुभावों के चित्र इस प्रदर्शनी में दशाएं गए उनके परिवार से नानासाहेब जगन्नाथ शंकरसेठ के प्रपौत्र उदय शंकरसेठ, कॉमनमैन के जनक आर. के. लक्ष्मण की बहु ऊषा लक्ष्मण एवं स्वतंत्रता सेनानी पुरुषोत्तमदास एच. पुरोहित के पुत्र जगदीश पुरोहित सहित सभी को मंत्री आशीष शेलार द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रदर्शनी में सम्मानित अतिथियों मल्लखंब गुरु पद्मश्री प्रेमजीत बारिया, पद्मश्री उदय देशपांडे, आई ए एस निधि चौधरी, आई आर एस प्रशांत पाटील, पूर्व आर्ट निर्देशक प्रोफेसर वाघमारे, काला घोड़ा एसोसिएशन की चेअरपर्सन वृंदा मिलर के साथ उत्तम वी. जैन, गणपत कोठारी, किशोर खाबिया जैन ने भी प्रदर्शियों की काफी प्रशंसा की।

मुंबई मानसून के तहत देश भर से चुनिंदा 34 नामी कलाकारों की कला प्रदर्शनी जिसमें चित्र, मूर्तियां, कला कृतियां एवं फोटों का समावेश किया गया हैं। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन कला संवाद के राजकुमार शर्मा, आर्ट क्यूरेटर नंदू सरस्वती, हर्षित शर्मा के साथ राजेन्द्र भोंसले, संतोष आड़विलकर, दिपक बच्छाव (पाटील) सतीश सुवारें (डिझायनर) एवं भगवान कदम ने किया। मंच का संचालन क्रिएटिव कनिका ने किया। चित्रः मुकेश मेहरा व दिलीप कागड़ा ।

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047 अभियान का हुआ शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ .दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में ह्यसमर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047 की अवधारणा को साकार करने की दिशा में विजन डॉक्यूमेंट के निर्माण हेतु विकास विभागों, उद्यमियों, व्यापारियों व नागरिकों के सुझावों/प्लान से सम्बंधित बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा को साकार करने हेतु उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047 अभियान चलाकर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। इस मिशन में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक समृद्ध और वैश्विक स्तर पर सम्मानित राज्य का निर्माण किया जाएगा। इस मिशन को दिशा प्रदान करने एवं पथ प्रदर्शन हेतु एक विजन डॉक्यूमेंट बनाया जाना है। जिसके लिए शासन द्वारा के० सचिव मानव अधिकार आयोग उत्तर प्रदेश श्रीमती धनलक्ष्मी, सेवानिवृत्त आईपीएस जकुमार विश्वकर्मा और प्रमोद कुमार, सेवानिवृत्त प्रोफेसर पूर्वांचल विश्वविद्यालय धरनीधर दुबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ० सुरेश कन्नौजिया, सेवानिवृत्त मु० अभि०-स्तर-1 जल निगम अरविंद कुमार सिंह को नोडल अधिकारी नामित करते हुए 10 सितंबर एवं 11 सितंबर को दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

नामित नोडल अधिकारियों द्वारा उत्तर प्रदेश के विजन डॉक्यूमेन्टस की 03 थीम अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति, जीवन शक्ति तथा 12 सेक्टर पर ध्यान केंद्रित करते हुए जन भागीदारी एवं जन जागरूकता हेतु विभिन्न लक्षित समूहों से राज्य के विकास हेतु रोड मैप पर चर्चा करेंगे।

उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य जनमानस में जागरूकता उत्पन्न करना तथा नागरिकों की आकांक्षाओं को संज्ञान में लेते हुये जनपद के नागरिकों को विकास में सहयोगी व सहभागी बनाते हुये वह की भावना को विकसित करना है। इस अभियान के अंतर्गत नागरिक अपने सुझाव सीधे ऑनलाइन पोर्टल https:// samarthut-tarpradesh.up.gov.in पर दर्ज कर सकते हैं। इसका विकल्प सूचना सेतु एप पर भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि पोर्टल को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि इसे मोबाइल और कंप्यूटर, दोनों माध्यमों से आसानी से एक्सेस किया जा सके साथ ही क्यू आर कोड स्कैन कर भी फीडबैक साझा करने की सुविधा उपलब्ध है। सुझाव देने के लिए प्रतिभागियों को पोर्टल पर मोबाईल ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर विषय का चयन करना होगा और अपना विचार दर्ज कराना होगा।

उन्होंने बताया कि यह अभियान किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है, इसमें विद्यार्थी, शिक्षक, किसान, व्यापारी, उद्यमी, श्रमिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन, मीडिया और आम नागरिक सभी अपनी भागीदारी दर्ज करा सकते हैं। उद्देश्य यह है कि प्रत्येक परिवार से कम से कम एक फीडबैक अवश्य प्राप्त हो, ताकि राज्य का विजन व्यापक हो सके। क्यूआर कोड और पोर्टल के जरिए यह प्रक्रिया इतनी सरल बनाई गई है कि छात्र, किसान, गृहिणी या व्यापारी हर कोई अपने विचार तुरंत दर्ज करा सकता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वि०/रा० राम अक्षयवर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुसहर परिवारों के लोगों ने जमीन पट्टा कराने हेतू डीएम से लगाई गुहार

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सोमवार को स्थानीय तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर क्षेत्र के चभवां ग्राम निवासी दर्जनों मुसहर परिवार की महिलाओं ने डीएम डॉक्टर दिनेश चन्द को प्रार्थना पत्र देते हुए गुहार लगाई की प्रार्थनीगण चभवां ग्राम की निवासी है और कई वर्षों से अपनी जमीन पर निवास करते हैं।लेकिन वह जमीन सुनने में आरही है की भीटे की जमीन है।और लेखपाल भी हम मुसहर परिवारों के जमीन को भीटा बताकर घरौनी में दर्ज नही किया जा रहा है। जिससे हम सब परिवार दहशत में है और डर सता रहा है की अगर जमीन घरौनी में नही दर्ज किया गया तो दर्जनों परिवार कहाँ जाएंगे। मुसहर परिवार की महिलाओं ने डीएम से गुहार लगाते हुए कहा की जमीन को आबादी पट्टा किया जाय। उक्त मौके नौरंगी, नेहा, कंचन देवी, उर्मिला, सरिता, अंजू, पंचम, रूपा, मोनी सहित आदि महिलाएं प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

शराब ठेका हटाने की माँग को लेकर दर्जनों महिलाओ ने डीएम से लगाई गुहार

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के सटे ग्राम सभा हेनवन्तर भादी पल्थी रोड निवासी दर्जनों महिलाओं ने सोमवार को तहसील के सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर डीएम डॉक्टर दिनेश चन्द को प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया की एक फर्जी ढंग से शराब ठीका चल रहा है जिसका टेंडर सटे ग्राम खरौना में हुआ है लेकिन ठेकेदार भादी हेनवन्तर बीच आबादी के बीच चला रहा है। जिसके कारण शराब के नशे में धुत होकर काफी अभद्रता मचाते हैं और रोड पर चल रही महिलाओं व बच्चियों एवं घर के अंदर ताक झांक एवं गन्दे इशारे करते रहते हैं जिसके कारण कई बार मारपीट हो चुकी है तथा प्रार्थीगण कई बार थाने व उच्च अधिकारियों को सूचित कर चुके हैं किंतु दबंग व मनबड़ ठेकेदार के सामने किसी की नहीं चलती है। चार माह पूर्व लोगों के समझाने बुझाने पर शराब ठेकेदार ने अपना ठेका अन्यत्र ले जाने के लिए 15 दिन का लिखित समय दिया था परंतु 3 माह का समय बीत जाने के बाद भी उपरोक्त दबंग व मनबड़ शराब ठेकेदार शराब की दुकान नहीं हटा रहा है। उक्त मौके पर विजय लक्ष्मी, रूपा, रूबी, शीला, मुन्नी देवी, गीता, आशा, प्रेमशीला, सविता, कुमारी,पद्मावती, प्रीता, चन्द्रकला, मीरा, दीपक कुमार, साधना सोनी, बैजनाथ, प्रह्लाद राजभर आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सुबोध भार्गव ने दिया 7वां डॉ. वी. जी. पटेल स्मृति व्याख्यान

मुंबई। सुबोध भार्गव, चेयरमैन, भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद द्वारा आयोजित 7वें डॉ. वी. जी. पटेल स्मृति व्याख्यान को संबोधित किया। श्रृंखला का सातवाँ व्याख्यान ईडीआईआई परिसर में आयोजित हुआ। व्याख्यान का विषय था जॉब सीकर्स टू जॉब क्रिएटर्स।

ईडीआईआई ने अपने संस्थापक पद्मश्री डॉ. वी. जी. पटेल को 4 अप्रैल 2019 को खोया था। उनके उद्यमिता क्षेत्र में किए गए महान कार्यों की स्मृति में, संस्थान द्वारा 2019 से यह वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला शुरू की गई। उद्यमिता जगत में ह्यापायोनियर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप मूवमेंट के रूप में पहचाने जाने वाले डॉ. पटेल ने उद्यमिता को भारत और विश्व स्तर पर फैलाने में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उन्होंने न केवल पूरे भारत में अपनी सोच को स्थापित किया बल्कि 1983 में राष्ट्रीय संसाधन संस्थान, EDII की भी स्थापना की।

डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने उद्यमिता की अवधारणा को प्रस्तुत करने और बढ़ावा देने के माध्यम से राष्ट्र के आर्थिक विकास में डॉ. पटेल के असाधारण योगदान को याद करते हुए कहा, डॉ. पटेल ने देश को उस समय उद्यमिता से परिचित कराया जब लोगों को इसकी क्षमता का अंदाजा भी नहीं था। वे इस विचारधारा पर डटे रहे और तब तक प्रयास करते रहे जब तक यह सिद्ध न कर दिया कि प्रशिक्षण और मेंटरिंग से सफल उद्यमी तैयार किए जा सकते हैं, और उद्यमिता किसी भी अन्य विषय की तरह सिखाई जा सकती है। उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने न केवल एक नई विधा और विचारधारा का निर्माण किया बल्कि लोगों के दृष्टिकोण को बदलते हुए उन्हें उद्यमिता की ओर प्रेरित भी किया।

श्रोताओं को संबोधित करते हुए, सुबोध भार्गव, चेयरमैन, भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट, ने कहा, मैं डॉ. वी. जी. पटेल के स्मरण से अपनी बात की शुरूआत करना चाहता हूँ। मैं उन्हें एक दूरदर्शी व्यक्तित्व के रूप में नमन करता हूँ, जिन्होंने उद्यमिता को एक अनुशासन के रूप में देखने की क्षमता बहुत पहले ही दिखा दी थी। भारत में उद्यमिता प्राचीन सभ्यताओं से ही फली-फूली है, और समय के साथ बदलते हुए स्वयं को इनोवेशन के साथ ढालती रही है। हाल के वर्षों में यह क्षेत्र सबसे अधिक फलदायी रहा है, जब भारत ने विश्व में तीसरे सबसे बड़े उद्यमिता इकोसिस्टम का स्थान प्राप्त किया है। भारत का उद्यमशील परिदृश्य युवाओं की अद्वितीय गतिशीलता को दर्शाता है। उनके इनोनेटिव आइडिया और संकल्पनाएँ भारतीय युवाओं में बढ़ती उद्यमिता की रुचि का प्रमाण हैं। आज के समय में वित्त, मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग के अवसर सहज रूप से उपलब्ध हैं, और यह अधिक से अधिक युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करना चाहिए, कि वे आगे आएं और शुरूआत करें। ह्यजॉब सीकर्स से जॉब क्रिएटर्स- यही हमारा विकास और प्रगति का संकल्प होना चाहिए। ईडीआईआई को मैं डॉ. सुनील शुक्ला के नेतृत्व में उनके सभी भावी उपक्रमों के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ।

मणिपाल अस्पताल, मुकुंदपुर में नई तकनीक से 30 वर्षीय माँ की जान और मातृत्व दोनों सुरक्षित

मुंबई। मणिपाल अस्पताल, मुकुंदपुर, जो मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप का हिस्सा है, वहाँ ३० साल की एक महिला की जान एक कठिन लेकिन आधुनिक इलाज से बचाई गई। गर्भपात के बाद उन्हें बहुत ज्यादा और खतरनाक रक्तस्राव हो रहा था। यह इलाज डॉ. पार्थ प्रतिम सामुई, सीनियर कंसल्टेंट और इंचार्ज, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की देखरेख में किया गया। महिला कोलकाता की रहने वाली हैं और ५ साल के बच्चे की माँ हैं। दूसरी बार गर्भवती होने पर २२वें हफ्ते में उनका गर्भपात हो गया। इसके बाद अचानक बहुत खून बहने लगा और उन्हें तुरंत अस्पताल लाना पड़ा। गर्भपात के बाद भी प्लेसेंटा गर्भाशय में गहराई से फंसा हुआ रह गया, जिसे प्लेसेंटा इन्क्रेटा कहते हैं। यह एक बहुत ही दुर्लभ और गंभीर स्थिति है। पहली बार प्लेसेंटा निकालने की कोशिश में और ज्यादा खून बहने लगा। उस समय डॉक्टरों ने अस्थायी रूप से खून रोकने के लिए बलून टैम्पोनैड तकनीक का इस्तेमाल किया। फिर तुरंत एमआरआई स्कैन किया गया, जिससे समस्या साफ हो गई।

इसके बाद डॉक्टरों ने यूटेराइन आर्टरी एम्बोलाइजेशन नाम की तकनीक अपनाई। इसमें एक पतली नली (कैथेटर) से गर्भाशय की धमनियों को बंद कर दिया गया, ताकि खून प्लेसेंटा तक न पहुँचे। इससे खून बहना रुक गया और गर्भाशय भी सुरक्षित रहा। इस प्रक्रिया में न तो बड़ा ऑपरेशन करना पड़ा और न ही बेहोशी (जनरल एनेस्थीसिया) की जरूरत हुई। डॉक्टरों की टीम–इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ और एनेस्थीसियोलॉजिस्ट–ने मिलकर यह जटिल प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की। महिला जल्दी ही स्वस्थ होने लगीं, २ दिन बाद उन्हें आईसीयू से बाहर लाया गया और ५ दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल गई। डॉ. पार्थ प्रतिम सामुई ने कहा, यह माँ हमारे पास बहुत गंभीर हालत में आई थीं। उनका खून लगातार बह रहा था और प्लेसेंटा गर्भाशय में फंसा था। ऐसे मामलों में अक्सर खून रोकना मुश्किल होता है और कभी-कभी गर्भाशय निकालना भी पड़ जाता है। लेकिन हमने बिना बड़ा ऑपरेशन किए, एम्बोलाइजेशन से खून रोक दिया और गर्भाशय सुरक्षित रखा। इसका मतलब है कि उनकी जान बची और भविष्य में भी माँ बनने की संभावना बनी रही। डॉक्टर के लिए इससे बड़ी खुशी कुछ नहीं हो सकती। यह इलाज न सिर्फ इस महिला की जान बचाने में सफल रहा बल्कि उनका गर्भाशय भी सुरक्षित रहा। मणिपाल अस्पताल, मुकुंदपुर में पहली बार इस तरह का मामला सफल हुआ, जो उन्नत मातृत्व सेवाओं में एक अहम उपलब्धि है।

बिहार के 22 जिलों में होगा पपीता क्षेत्र विस्तार, किसानों की आय वृद्धि और बागवानी क्षेत्र को मिलेगी नई दिशा

पटना। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री, बिहार विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एम॰आई॰डी॰एच॰) अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2026-27 तक कुल दो वर्षों की अवधि के लिए पपीता विकास योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना पर कुल 01 करोड़ 50 लाख 75 हजार रुपये की लागत व्यय होगी। इसके अधीन वित्तीय वर्ष 2025-26 में 90 लाख 45 हजार रुपये की निकासी एवं व्यय की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना केंद्र प्रायोजित है, जिसमें केंद्र और राज्य का अंशदान 40-40 प्रतिशत है। इसके साथ ही राज्य योजना मद से 20 प्रतिशत अतिरिक्त टॉप-अप का प्रावधान भी किया गया है, जिससे किसानों को और अधिक लाभ मिलेगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पपीते की खेती का क्षेत्रफल बढ़ाना, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना तथा किसानों की आय में बढ़ोतरी सुनिश्चित करना है। माननीय उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पपीता क्षेत्र विस्तार योजना अंतर्गत किसानों को दी जाने वाली अनुदान राशि का भुगतान दो वर्षों में 60:40 अनुपात में किया जाएगा। इस योजना के तहत पपीते की खेती के लिए प्रति हेक्टेयर 75 हजार रुपये की इकाई लागत प्रस्तावित है। पपीता उत्पादन के लिए 2.2 मीटर की दूरी पर पौधे लगाने की व्यवस्था की गई है, जिससे प्रति हेक्टेयर लगभग 2500 पौधों की आवश्यकता होगी। उन्होंने आगे कहा कि इकाई लागत 75 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर पर भारत सरकार की मार्गदर्शिका के अनुसार 40 प्रतिशत अनुदान और राज्य योजना से अतिरिक्त 20 प्रतिशत टॉप-अप के साथ कुल 60 प्रतिशत अर्थात 45 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर का अनुदान किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। यह राशि दो किस्तों में दी जाएगी, जिसमें पहली किस्त के रूप में 27 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर और दूसरी किस्त के रूप में 18 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर दिया जाएगा।

श्री सिन्हा ने कहा कि इस योजना का कार्यान्वयन राज्य के 22 जिलों भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, जहानाबाद, लखीसराय, मधेपुरा, बेगूसराय, भागलपुर, दरभंगा, गया, कटिहार, खगड़िया, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पश्चिम चंपारण, पटना, पूर्वी चंपारण, पूर्णिया, सहरसा, समस्तीपुर, मधुबनी और वैशाली में किया जाएगा। किसानों को न्यूनतम 0.25 एकड़ (0.1 हेक्टेयर) से अधिकतम 5 एकड़ (2 हेक्टेयर) तक योजना का लाभ मिलेगा। माननीय उप मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि पपीता विकास योजना के सफल क्रियान्वयन से राज्य में बागवानी क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी। इससे उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि होगी तथा किसानों की आमदनी में उल्लेखनीय सुधार होगा।

जफराबाद में गर्भवती महिला बनी साइबर ठगी का शिकार, खाते से उड़ाए गए 1.04 लाख रुपये

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के कल्याणपुर बाजार निवासी एक गर्भवती महिला के खाते से सोमवार की सुबह साइबर ठगों ने एक लाख चार हजार से अधिक रुपये उड़ा लिए। पीड़िता ने तत्काल साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता बबिता जायसवाल, पुत्री अरविंद कुमार जायसवाल, को सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने कॉन्फ्रेंस कॉल पर पहले से ही एक आशा कार्यकर्ती को जोड़ा हुआ था। बातचीत के दौरान ठग ने गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली प्रधानमंत्री योजना का लाभ दिलाने का झांसा दिया। बबिता को आशा कार्यकर्ती की आवाज सुनाई दी, जिससे उसे विश्वास हो गया कि यह कॉल असली है।

इसी बीच, बबिता के मोबाइल पर खाते से पैसे कटने के मैसेज आने लगे। थोड़ी ही देर में उसके खाते से 1,04,185 रुपये आठ बार में कट गए। जब उसने आपत्ति जताई तो ठग ने कहा कि जल्द ही पैसा वापस कर दिया जाएगा, लेकिन कॉल कटने नहीं दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल कर शिकायत दर्ज की और तुरंत पुलिस लाइन स्थित साइबर थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी। बबिता ने कहा कि आशा कार्यकर्ती की आवाज सुनकर उसे विश्वास हुआ था कि यह फ्रॉड नहीं है। वहीं, आशा कार्यकर्ती ने बताया कि उनसे सिर्फ इंजेक्शन और डोज से जुड़ा सवाल पूछा गया था, बाकी बातचीत उन्हें सुनाई नहीं दी। परिवार को अब पुलिस और साइबर थाने से न्याय की उम्मीद है।

वसई विरार जिला भाजपा द्वारा आयोजित कार्यशाला सम्पन्न

वसई। एकवीरा हॉल, अलकापुरी, नालासोपारा पूर्व में भाजपा जिला वसई विरार द्वारा कार्यशाला आयोजन किया गया जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पंचवरवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आज भाजपा वसई विरार जिला द्वारा एक बैठक एवं जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सेवा पंचवरवाड़ा के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। इस बैठक में नालासोपारा विधायक राजन नाइक के साथ प्रदेश संगठन महामंत्री हेमंत म्हात्रे, भाजपा वसई विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञाताई पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल एवं सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस सेवा पंचवरवाड़ा में सेवा, समर्पण एवं सकारात्मक कार्यों के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पहुँचने का संकल्प लिया गया।

नरेंद्र मेहता और दिलीप जैन के नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी भाजपा : सुरेश सिंह

भायंदर। मीरा भायंदर भाजपा के जिलाध्यक्ष दिलीप जैन का जन्मदिन कल भायंदर पूर्व के न्यू गोल्डन नेस्ट स्थित इंद्रप्रस्थ बिल्डिंग में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विधायक नरेंद्र मेहता, वरिष्ठ नगरसेवक मदन सिंह समेत सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उत्तर भारतीय मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह ने अपनी पूरी टीम के साथ उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीएमसी चुनाव में लोकप्रिय विधायक नरेंद्र मेहता तथा जिलाध्यक्ष दिलीप जैन के नेतृत्व में भाजपा ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी। इस अवसर पर जिला महामंत्री कमलेश दुबे, भाजपा नेता संतोष दिक्षित, भाजपा नेता एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार राजेश उपाध्याय संदीप तिवारी, आशीष द्विवेदी, रामावतार राय, अनीता राय, नीतीश वर्मा, भाजपा जिला कार्यालय प्रमुख अन्ना अशीनकर समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।